मार्गशीर्ष कृष्णा - 6 · संवत 2081 · वर्ष - 20 · अंक - 117 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · बेंगलूरु » गुरुवार » 21-11-2024 · www.dakshinbharat.com · Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की सूची में हार्दिक फिर शीर्ष पर

6 अकेले पड़ते बुजुर्गों की बढ़ती मुश्किलें

7 अगर आशीर्वाद का कोई चेहरा होता तो मुझे लगता है रागिनी होती : बादशाह

फर्स्ट टेक

कासरगोड में रेल पटरी पर पत्थर रखने के आरोप में एक युवक गिरफ्तार

मंगलूरु/भाषा। केरल में कासरगोड रेलवे स्टेशन के निकट रेल पटरियों पर कई स्थानों पर पत्थर रखे होने के बारे में समय से पता चल जाने से बड़ी रेल दुर्घटना टल गयी और इस सिलसिले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया। रेलवे ने यह जानकारी दी। रेलवे के पलक्कड़ मंडल के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने परकोड के रहने वाले अखिल जॉन मैथ्यू (21) नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है जिस पर आरोप है कि उसने कासरगोड में कलनाड, मेलपरंबा, कियूर आदि स्थानों पर रेलवे पटरियों पर जानबूझकर पत्थर रखे थे। प्रवक्ता ने बताया कि अमृतसर-कोचि ट्रेन के लोको पायलट ने पटरी पर पत्थर देखकर रेलवे अधिकारियों को सूचित कर दिया जिससे समय रहते उन्हें हटाया गया।

सीबीएसई की दसवीं, बारहवीं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने की बुधवार को घोषणा की। देर शाम जारी अधिसूचना में बोर्ड ने बताया कि 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त होंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाएं चार अप्रैल को संपन्न होंगी। ऐसा पहली बार हुआ है, जब बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम कम से कम 86 दिन पहले जारी किया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि दो विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतराल रखा गया है। उन्होंने कहा कि किसी छात्र द्वारा चुने गए दो विषयों की परीक्षा एक ही तिथि पर न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा गया है।

पाकिस्तान में नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण कर किया गया धर्मांतरण

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 वर्षीय एक हिंदू लड़की को अगवा करके जबरन उसकी शादी एक मुस्लिम व्यक्ति से कराने का मामला सामने आया है। हालांकि, अधिकारियों ने उसे बचा लिया है। सिंध प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदू समुदाय के लिए नाबालिग और किशोर हिंदू लड़कियों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह एक बड़ी समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान दरावर इत्तेहाद (अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए गठित एक गैर सरकारी संगठन) के अध्यक्ष शिवा काछी के अनुसार एक अन्य मामले में संघर में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की की 50 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति से जबरन शादी करा दी गई, जिसे अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है।

सूर्यास्त 21-11-2024 5:50 बजे	सूर्योदय 22-11-2024 6:21 बजे
BSE 77,578.38 (+239.38)	NSE 23,518.50 (+64.70)
सोना 8,110 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 91,668 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मोदी-ट्रम्प

महा शक्तियां द्वय जुड़ी,
अब ना होगा डम्प।
व्हाइट हाउस कर रहा,
मनुहारों की जम्प।
मच गया दुश्मन देश में,
फिर से यह हड़कम्प।
क्या होगा यदि जुड़ गए,
मोदी जी से ट्रम्प।।

झारखंड और महाराष्ट्र में मतदान समाप्त

झारखंड विधानसभा की 38 और महाराष्ट्र की 288 सीटों पर क्रमश: 67.59 और 58.25 प्रतिशत हुआ मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/मुंबई/एजेन्सी। झारखंड विधानसभा की 38 और महाराष्ट्र की 288 सीटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार शाम मतदान शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया तथा इस दौरान क्रमश: 67.59 और 58.25 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने यहां बताया कि 38 विधानसभा क्षेत्र में आज सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और पांच बजे शाम समाप्त हो गया और इस दौरान 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इन क्षेत्रों के 31 मतदान केंद्रों पर शाम 4:00 बजे शाम ही मतदान समाप्त हुआ था जबकि शेष मतदान केंद्रों पर पांच बजे शाम मतदान समाप्त हुआ।

दूसरे चरण के चुनाव में कुल 528 उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में आज बंद हो गई। इसमें 472 पुरुष और 55 महिला उम्मीदवार हैं जबकि एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार है।

उधर, महाराष्ट्र की 288 विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया, जो शाम छह बजे तक चला। इस दौरान 58.25 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य में गढचिरौली में सबसे अधिक 69.63 प्रतिशत और मुंबई सिटी में सबसे कम 49.07 प्रतिशत मतदान हुआ।

राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि राज्य के कुछ मतदान केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में खराबी आने पर मतदान प्रकिया बाधित हुई और मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं को लम्बी कतार में अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 4136 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला आज इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद हो गया। राज्य के पांच करोड़ से अधिक पुरुष, 4.68 करोड़ से अधिक महिला और 6101 ट्रांसजेंडर सहित 9.70 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में बंद कर दी। मतदान के लिए कुल 1,00,427 केंद्र बनाये गये थे। मतदान केंद्रों पर 1,64,996 बैलेट यूनिट, 1,19,439 कंट्रोल यूनिट और 128531 वीवीपैट मशीनें लगी हुई थी।

महाराष्ट्र चुनाव में बिटकॉइन इस्तेमाल के आरोप

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को धनशोधन मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र में बिटकॉइन के राजनीतिक लेनदेन मामले से कथित रूप से जुड़े एक ऑडिट कंपनी के कर्मचारी के छत्तीसगढ़ स्थित परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौरव मेहता के घर पीएमएलए के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। भाजपा ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता एवं बारामती से सांसद सुप्रिया सुले तथा कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले की कथित आवाज वाली रिकॉर्डिंग सुनाई और आरोप लगाया कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए बिटकॉइन को भुनाने का प्रयास किया जा रहा था।

अधिकांश एग्जिट पोल में दोनों राज्यों में भाजपा की जीत का दावा

महाराष्ट्र

सर्वेक्षण	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
मैट्रिज़	150-170	110-130	8-10
पी-मार्क	137-157	126-146	2-8
चाणक्य	152-160	130-138	6-8
इलेक्टोरल एज	119	155	14
टाइम्स नाउ-जेवीसी	150-167	107-125	13-14
पीपल्स पल्स	182	97	9

झारखंड

सर्वेक्षण	भाजपा+	झामुमो+	कांग्रेस	अन्य
एक्सिस माई इंडिया	17-27	49-59	-	1-6
मैट्रिज़	42-47	25-30	-	1-4
पी-मार्क	31-40	37-47	-	-
टाइम्स नाउ-जेवीसी	40-44	30-40	-	1
इलेक्टोरल एज	32	42	-	7
पीपल्स पल्स	42-48	16-23	8-14	2-5

नई दिल्ली/एजेन्सी। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद सामने आए अधिकांश मतदान पश्चात सर्वेक्षणों यानी एग्जिट पोल में दोनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता में आने की संभावना जताई गई है।

महाराष्ट्र में करीब आठ सर्वेक्षणों के औसत में भाजपा एवं सहयोगी दलों को 157 सीटें और महा विकास अघाड़ी को 124 सीटें तथा अन्य को सात सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 42 से 48 सीटें और सत्तारूढ़ इंडिया समूह को 24 से 38 सीटें तथा अन्य को एक से पांच सीटें मिलने की संभावना बताई गई है।

महाराष्ट्र के सर्वेक्षणों में एबीपी मैट्रिज़ के अनुसार राजग की महायुति को 150 से 170 सीटें और महा विकास अघाड़ी को 110 से 130, चाणक्य इनसाइट के अनुसार महायुति को 152 से 160 सीटें, महा विकास अघाड़ी को 130 से 138 सीटें, पी मार्क के अनुसार महायुति को 137 से 157 और महा विकास अघाड़ी को 128 से 146, टाइम्स नाउ जेवीसी के अनुसार 150 से 167 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

पर, महायुति को सबसे ज्यादा 175 से 195 सीटें पीपुल्स पल्स ने दी है। पर एक्सिस माई इंडिया और दैनिक भास्कर ने महायुति को पीछे बताया है। एक्सिस माई इंडिया ने महायुति को 118 + और महा विकास अघाड़ी को 150 + सीटों पर विजेता बताया है जबकि दैनिक भास्कर ने महायुति को 125 से 140 सीटें तथा महा विकास अघाड़ी को 135 से 150 सीट मिलने की संभावना व्यक्त की गई है।

झारखण्ड विधानसभा चुनाव में एबीपी मैट्रिज़ ने राजग को 42 से 47 तथा इंडी गठबंधन को 25 से 30 सीटें, चाणक्य इनसाइट के अनुसार राजग को 45 से 50 सीटें और इंडिया समूह को 35 से 38 सीटें, पीपुल्स पल्स के अनुसार राजग को 42 से 48 सीटें तथा इंडी 24 से 37 सीटें तथा एक्सिस माई इंडिया ने राजग को 25 + और इंडी गठबंधन 53 +सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

सीमा पर शांति के लिए परस्पर विश्वास बढ़ाएं भारत और चीन : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वियनतियाने/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को चीन के रक्षा मंत्री के साथ मुलाक़ात की और कहा कि दोनों देशों को करीब साढ़े चार वर्ष पहले सीमा पर हुई हिंसक झड़प से सबक लेते हुए तनाव कम करने के लिए परस्पर विश्वास बढ़ाने के उपायों पर जोर देना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने लाओस की राजधानी वियनतियाने में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 11 वीं बैठक से इतर चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। हाल ही में सैनिकों की वापसी के समझौते और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी तथा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद यह दोनों रक्षा मंत्रियों की पहली बैठक थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े देशों भारत और चीन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कि दोनों देश पड़ोसी हैं और रहेंगे इसलिए हमें संघर्ष के बजाय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

सिंह ने 2020 की दुर्भाग्यपूर्ण सीमा झड़पों से सीखे गए सबक पर विचार करने, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उपाय करने और भारत-चीन सीमा पर शांति बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने तनाव कम करने के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच अधिक विश्वास बनाने पर जोर दिया।दोनों पक्ष आपसी विश्वास और समझ बनाने के लिए एक रोडमैप की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

भारत कैरेबियाई देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने को इच्छुक : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जॉर्जटाउन (गुयाना)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत कैरेबियाई देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने को इच्छुक है। मोदी बुधवार को गुयाना पहुंचे और कहा कि उनकी यह यात्रा ''दोनों देशों के बीच मित्रता को प्रगाढ़ करेगी।'' यह 50 साल से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की गुयाना की पहली यात्रा है।

मोदी ने कहा कि भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन से भारत के साथ कैरेबियाई देशों का आर्थिक सहयोग, कृषि और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, तथा विज्ञान और नवाचार जैसे क्षेत्रों में संबंध मजबूत होने की उम्मीद है।

कैरिकॉम (कैरेबियाई समुदाय और साझा बाजार) एक क्षेत्रीय समूह है।

कैरिकॉम के शासनाध्यक्षों और प्रधानमंत्री मोदी की पिछली मुलाकात 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 74वें सत्र से इतर हुई थी, जहां उन्होंने भारत से 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन में सहयोग के तौर-तरीकों पर चर्चा की थी।

मोदी का हवाई अड्डे पर गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली, उनके समकक्ष मार्क एंथनी फिलिप्स और 12 से अधिक कैबिनेट मंत्रियों ने स्वागत किया जबकि होटल में ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डिकॉन मिशेल और बारबाडोस की मिया अमोर मोटली से उनकी मुलाकात हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां पहुंचने पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''गुयाना में मेरा स्वागत हमेशा मेरी यादों में रहेगा। मुझे आपसे, ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डिकॉन मिशेल और बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली और गुयाना के कैबिनेट मंत्रियों से मिलकर बहुत खुशी हुई।'' मोदी को भारत-गुयाना के घनिष्ठ संबंधों के प्रमाण के रूप में 'जॉर्जटाउन शहर की चाबी' भी सौंपी गई।

मोदी ने कहा, ''मैं जॉर्जटाउन के मेयर द्वारा 'जॉर्जटाउन शहर की चाबी' प्राप्त करके भी बहुत खुश हूं। भारत विभिन्न क्षेत्रों में कैरिकॉम के साथ सहयोग को और गहरा करने के लिए उत्सुक है।''

गुयाना के राष्ट्रपति अली ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी को कई कैरिकॉम नेताओं से मिलवाने का सौभाग्य मिला, जो दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के लिए शहर में हैं।

राष्ट्रपति अली ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस बैठक में भारत और कैरेबियाई देशों के बीच मजबूत होते संबंधों को रेखांकित किया गया, जो साझा मूल्यों और आपसी प्रगति के दृष्टिकोण पर आधारित है।''

अली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना में भारतीय समुदाय के सदस्यों से संवाद करने का भी अवसर मिला।

यूक्रेन संघर्ष पर रूसी राजदूत अलीपोव ने कहा

फिलहाल बातचीत के लिए ज्यादा आधार नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रूस-यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने बुधवार को कहा कि फिलहाल बातचीत के लिए ज्यादा आधार नहीं दिखता लेकिन कीव के साथ बैठकर बातचीत करने के लिए मॉस्को तैयार है, बशर्ते इसका कोई ''स्वीकार्य आधार'' हो।

अलीपोव ने यहां ब्रिक्स और इसकी संभावनाओं पर आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इस आधार में सबसे पहले ''जमीनी वास्तविकताएं'', सुरक्षा के दृष्टिकोण से रूस के हित और यूक्रेन के भीतर रूसियों तथा रूसी मूल के यूक्रेनी नागरिकों की सुरक्षा शामिल होनी चाहिए। इस सत्र की मेजबानी रूस की सरकारी समाचार एजेंसी स्पूतनिक ने की।

राजदूत ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि वर्तमान में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अपने पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति के बाद ''पूरी तरह अनिर्वाचित राष्ट्रपति'' हैं।

जेलेंस्की 21 अप्रैल, 2019 को यूक्रेन के राष्ट्रपति चुने गए थे।

अलीपोव ने दावा किया, ''यूक्रेनी संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि राष्ट्रपति बिना चुनाव के पद पर बना रह सके - चाहे युद्ध का समय हो या न हो। इसलिए, इस दृष्टिकोण से, वह पूरी तरह से एक अनिर्वाचित राष्ट्रपति हैं।'' उन्होंने सत्र में अपने उद्घाटन भाषण में ब्रिक्स की सराहना की तथा उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह को ''नई वास्तविकताओं का प्रतिबिंब'' बताया। फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन संघर्ष को मंगलवार को 1,000 दिन पूरे हो गए। यह पूछे जाने पर कि क्या रूस इस संघर्ष का समाधान निकालने के लिए यूक्रेन के साथ बातचीत करने को तैयार है, राजदूत ने कहा, ''स्पष्ट रूप से कहें तो, (हमें) इस समय वार्ता के लिए ज्यादा आधार नहीं दिखता।'' अलीपोव ने कहा, ''हम बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि बातचीत का कोई आधार हो।''

पलमीरा पर इजराइल के हमले में 36 लोग मारे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दमिश्क/एपी। सीरिया के ऐतिहासिक शहर पलमीरा पर बुधवार को हुए हमले में 36 लोग मारे गए और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। दमिश्क ने इस हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि इजराइली सेना ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। समाचार एजेंसी 'सना' ने कहा कि हमलों से इमारतों और आस-पास के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पलमीरा अपने आसपास के ऐतिहासिक रोमन मंदिर परिसर के लिए जाना जाता है। इजराइल अकसर सीरिया में ईरान से संबद्ध समूहों से जुड़े सैन्य स्थलों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी शायद ही कभी लेता है।

यूक्रेन को अमेरिकी बारूदी सुरंग का इस्तेमाल करने की अनुमति देगा अमेरिका

कीव/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को कहा कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन को युद्ध में रूस की आक्रामकता से निपटने में मदद के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई बारूदी सुरंगों का उपयोग करने की अनुमति देगा। ऑस्टिन का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब दिन में कीव स्थित अमेरिकी दूतावास और कुछ पश्चिमी देशों के दूतावासों ने रूसी हवाई हमले की आशंका में इन्हें बंद रखा। लाओस की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए ऑस्टिन ने कहा कि यूक्रेन के लिए बारूदी सुरंगों पर वाशिंगटन की नीति में बदलाव रूस की बदलती रणनीति का परिणाम है। ऑस्टिन ने कहा कि रूसी सैनिक जमीनी युद्ध के मैदान में बढ़त बना रहे हैं, इसलिए ''यूक्रेन को ऐसी चीजों की आवश्यकता है जो रूसियों के ऐसे प्रयास से निपटने में मदद कर सकें।''

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024

60 प्रतिशत दर्ज किया गया मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बुधवार को अनुमानित तौर पर 60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है। वहीं, महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव की तरह राज्य के इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर राज्य की सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रहा है।

निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि ये आंकड़े अस्थायी हैं। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव में 61.74 प्रतिशत मतदान हुआ था।

नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में बुधवार को 69.63 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि वित्तीय राजधानी मुंबई में 51.41 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के चुनाव में मुंबई में मतदान का आंकड़ा 50.67 प्रतिशत था।

शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और रणबीर कपूर सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने वोट डाला।

महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 विधानसभा सीट पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ और लोगों ने 1,00,186 बूथ पर 4,100 से अधिक उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया, जो 2019 के चुनाव में बनाए गए बूथ की संख्या से अधिक है। वर्ष 2019 में 96,654 बूथ थे।

मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा 149 सीट पर, शिवसेना 81 सीट पर और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा 59 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

विपक्षी गठबंधन एमवीए में शामिल कांग्रेस ने 101 उम्मीदवार, शिवसेना (उबाठा) ने 95 और राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने 86 उम्मीदवार उतारे हैं।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) समेत छोटे दल भी चुनाव मैदान में हैं। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में बसपा ने 237 उम्मीदवार और एआईएमआईएम ने 17 उम्मीदवार उतारे हैं।

एमवीए गठबंधन ने इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 में से 30 सीट हासिल करके अच्छा प्रदर्शन किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में महाराष्ट्र के मतदाताओं से पूरे उत्साह के साथ मतदान करने और लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष तौर पर महिलाओं और युवा मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की।

शुरुआती समय में मतदान करने वाले मतदाताओं में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल थे, जिन्होंने नागपुर में अपना वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने कहा, ''मतदान एक जिम्मेदारी है जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए।'' उन्होंने जल्दी मतदान करने की अपनी प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।

अक्षय कुमार, राजकुमार राव और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर सहित बॉलीवुड सितारे भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए घरों से जल्दी बाहर निकले और अपने प्रशंसकों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार सोमवार को समाप्त हो गया था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा जैसे प्रमुख नेताओं ने मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए रैलियां कीं। मतदान से एक दिन पहले, पुलिस ने भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और पार्टी उम्मीदवार राजन नाइक तथा 250 अन्य के खिलाफ 'नोट के बदले वोट' घोटाले के आरोपों के बाद दो मामले दर्ज किए। बिटकॉइन लेनदेन के संबंध में कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले से जुड़े आरोप भी सामने आए।

वर्ष 2019 के राज्य विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार उम्मीदवारों की संख्या में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस साल 4,136 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जबकि 2019 के चुनाव में यह संख्या 3,239 थी। इन उम्मीदवारों में 2,086 निर्दलीय थे। डेढ़ सौ से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में बागी मैदान में हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में 96,654 बूथों की तुलना में इस बार महाराष्ट्र में 1,00,186 मतदान केंद्र बनाए गए।

'दिल्ली 'माफिया सरगनाओं की राजधानी' बनी, अपराधियों में कानून का भय नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति 'बिगड़ने' का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली '' माफिया सरगनाओं की राजधानी'' बन गई है।

मुख्यमंत्री ने ये आरोप 28 वर्षीय एक व्यक्ति के माता-पिता से मुलाकात के बाद लगाए जिसकी पिछले सप्ताह उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी में हत्या कर दी गई थी। उन्होंने पीड़ित के परिवार के लिए 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी में शुक्रवार रात कथित तौर पर दो भाइयों ने 28 वर्षीय एक व्यक्ति की गर्दन पर चाकू से वार कर हत्या कर दी थी। यह घटना उस समय हुई जब पीड़ित और उसके रिश्तेदार ने दोनों भाइयों को एक महिला को कथित तौर पर परेशान करने से रोका। पुलिस ने हत्या के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''दिल्ली 'माफिया सरगनाओं की राजधानी' बन गई है। अपराधियों, जबरन वसूली करने वालों और गुंडों में अब कोई भय नहीं बचा है। उन्हें लगता है कि वे गोली चला सकते हैं, किसी को मार सकते हैं, किसी को चाकू घोंप सकते हैं लेकिन पुलिस कुछ नहीं करेगी। उन्होंने कहा, मैं देश के गृहमंत्री अमित शाह से जानना चाहती हूं कि जब दिल्ली की कानून व्यवस्था उनके अधीन है तो वह यहां की जनता के लिए क्या कर रहे हैं? कानून व्यवस्था की हालत बिगड़ती जा रही है। रोजाना जबरन वसूली, हत्याएं हो रही हैं, लेकिन गृहमंत्री चुनावी रैलियों में व्यस्त है।

आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, सुंदर नगरी में पिछले दिनों दिनदहाड़े 28 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। आज मृतक के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। दिल्ली सरकार की ओर से मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

नोकिया को भारती एयरटेल से भारत में अरबों डॉलर का 5जी विस्तार का ठेका मिला

नई दिल्ली/भाषा। फिनलैंड की दूरसंचार उपकरण कंपनी नोकिया ने भारती एयरटेल से कई साल का, कई अरब डॉलर का सौदा हासिल किया है। इसके तहत नोकिया भारत के प्रमुख शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण लगाएगी। बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई।

अनुबंध के अनुसार, नोकिया अपने 5जी एयरस्केल पोर्टफोलियो से उपकरण तैनात करेगी। इनमें बेस स्टेशन, बेसबैंड इकाइयां और विशाल एमआईएमओ रेडियो की नवीनतम पीढ़ी शामिल है, जो सभी इसकी ऊर्जा-कुशल 'रीफशार्क सिस्टम-ऑन-चिप तकनीक' द्वारा संचालित हैं।

बयान में कहा गया, नोकिया को भारती एयरटेल द्वारा प्रमुख भारतीय शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण तैनात करने के लिए कई वर्षों के लिए कई अरब डॉलर का विस्तार ठेका दिया गया है।

ये समाधान एयरटेल के नेटवर्क को असाधारण 5जी क्षमता और कवरेज के साथ बढ़ाएंगे और इसके नेटवर्क विकास का समर्थन करेंगे। नोकिया मल्टीबैंड रेडियो और बेसबैंड उपकरणों के साथ एयरटेल के मौजूदा 4जी नेटवर्क को भी आधुनिक बनाएगी, जो 5जी को भी सहयोग कर सकते हैं।

भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने कहा, नोकिया के साथ यह रणनीतिक साझेदारी हमारे नेटवर्क बुनियादी ढांचे को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएगी और ग्राहकों को अद्वितीय उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगी। यह साझेदारी ऐसा नेटवर्क भी उपलब्ध कराएगी जो पर्यावरण अनुकूल होगा।

आबकारी मामला

केजरीवाल ने ईडी के आरोपपत्र पर निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के निचली अदालत के आदेश को बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

याचिका को बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है।

केजरीवाल ने याचिका में उच्च न्यायालय से इस आधार पर अधीनस्थ अदालत के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया कि विशेष न्यायाधीश ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए किसी मंजूरी के अभाव में आरोपपत्र पर संज्ञान लिया, जबकि कथित अपराध के समय वह लोक सेवक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

उच्च न्यायालय ने 12 नवंबर को केजरीवाल की एक अन्य याचिका पर ईडी से जवाब तलब किया था, जिसमें धन शोधन मामले में एजेंसी की शिकायत पर उन्हें जारी समन को चुनौती दी गई थी। उसने आपराधिक मामले में इस स्तर पर अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

यमुना नदी के तट से कूड़ा हटाने की विस्तृत जानकारी दे एमसीडीः हरित अधिकरण

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी के तट से कूड़े को हटाने के बारे में संपूर्ण विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अधिकरण एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें दावा किया गया है कि वजीराबाद और जगतपुर गांवों में यमुना नदी के तट पर कूड़ा और अपशिष्ट पदार्थ डाला गया है। अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 13 नवंबर को पारित आदेश में एमसीडी के वकील की दलीलों पर गौर किया कि नदी के किनारे 4.3 किलोमीटर तक पूरे क्षेत्र में सफाई कार्य किया जा रहा है और मौके पर 10 कर्मी तैनात किए गए हैं। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने नगर निगम के इस दावे का विरोध किया है कि सफाई कार्य जारी है।

निजी क्षेत्र के लिए एक लाख करोड़ रुपए का शोध एवं विकास कोष अगले कुछ माह में : सचिव

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार अगले कुछ महीनों में निजी क्षेत्र द्वारा शोध एवं विकास (आरएंडडी) के लिए एक लाख करोड़ रुपए के कोष को शुरू करना चाहती है। सेठ ने कहा कि सरकार इस बात पर काम कर रही है कि कोष की संरचना कैसे की जाए और इसे कैसे शुरू किया जाए और इसके लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ उद्योग के लोगों से भी चर्चा की गई है। यह पूछे जाने पर कि एक फरवरी, 2025 से पहले कोष कब चालू होगा, सेठ ने कहा, अगले कुछ महीनों में। सेठ ने कहा कि आरएंडडी के लिए कर छूट देने के बावजूद निजी क्षेत्र द्वारा शोध एवं निवेश में तेजी नहीं आई है और इसलिए सरकार ने इसमें भागीदार बनने और निजी क्षेत्र को जोखिम लेने के लिए प्रेरित करने का फैसला किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी, 2024 को वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में एक लाख करोड़ रुपए के वित्त पोषण पूल के साथ वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की थी।

वेदांता एल्युमीनियम ने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए गेल के साथ किया समझौता

नई दिल्ली/भाषा। वेदांता एल्युमीनियम ने सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लि. के साथ समझौता किया है। यह समझौता कंपनी के ओड़िशा में झारसुगुड़ा स्थित स्मेलटर इकाई के लिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को लेकर है। देश की प्रमुख एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी ने गेल (इंडिया) लि. की अनुषंगी कंपनी गेल गैस लि. के साथ गैस बिक्री समझौता किया है। वेदांता एल्युमीनियम ने बुधवार को बयान में कहा कि प्राकृतिक गैस में यह बदलाव अगले साल के अंत तक चालू होने की संभावना है। इससे कार्बन उत्सर्जन में सालाना लगभग 47,292 टन की कमी आने का अनुमान है। वेदांता दोहरी रणनीति लागू करके 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दोहरी रणनीति में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना और वनीकरण प्रयासों के माध्यम से 'कार्बन सिंक' बनाना यानी कार्बन का अवशोषण करना शामिल है।

आंध्र प्रदेश में कल्याण, विकास और सुशासन राजग के प्रमुख स्तंभ हैं: मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को इस बात पर जोर दिया कि कल्याण, विकास और सुशासन राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के प्रमुख स्तंभ हैं। विधानसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने 'राज्य के पुनर्निर्माण' का संकल्प लिया। नायडू ने आरोप लगाया कि वर्ष 2019 से 2024 तक वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी सरकार के तहत आंध्र प्रदेश 'बर्बाद' हो गया।

नायडू ने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार (जिसमें भाजपा और जन सेना पार्टी शामिल हैं) के 162 दिन पूरे होने पर कहा, मैं चुनौतियों को स्वीकार करूंगा और राज्य के पुनर्निर्माण के लिए ईंट दर ईंट आगे बढ़ूंगा। रातोंरात कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका प्रशासन विभागों में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और नागरिकों को आश्वासन दिया कि उन पर किया गया भरोसा व्यर्थ नहीं जाएगा। सरकार की कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए नायडू ने कहा कि अन्ना कैंटीन (जो गरीबों को सब्सिडी वाला भोजन प्रदान करती है) 198 स्थानों पर शुरू की गई है। इसके अतिरिक्त, 42.4 लाख लोगों को दीपम-2 योजना से लाभ हुआ है जिसके तहत सालाना तीन रसोई गैस सिलेंडर मुफ्त प्रदान किए जाते हैं। सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने का वादा करते हुए नायडू ने कहा, अगले पांच वर्षों में राज्य में एक भी व्यक्ति बिना आवासीय भूखंड के नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार विकास निधि कल्याण कार्यक्रमों से उत्पन्न आय के साथ कल्याण और विकास को संतुलित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह देखते हुए कि आंध्र प्रदेश में शहरी आबादी कम है और दक्षिण भारत में इसकी प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है, नायडू ने कहा कि अगर 'ग्रीनफील्ड' राजधानी अमरावती का निर्माण पूरा हो जाता तो राज्य मजबूत स्थिति में होता। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अमरावती के निर्माण कार्य के लिए 15 हजार करोड़ रुपए देने पर सहमत है।

चंद्रबाबू नायडू को अगले एक दशक तक आंध्र का मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए : पवन कल्याण

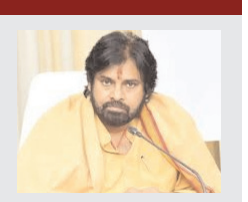

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बुधवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू के अनुभव, मार्गदर्शन और एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर की जीएसडीपी हासिल करने की दूरदर्शिता को देखते हुए उन्हें एक और दशक तक राज्य का मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। कल्याण ने कहा कि उन्हें नायडू पर पूरा भरोसा है कि दक्षिणी राज्य ''जल्द'' ही एक अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। कल्याण ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं मुख्यमंत्री (नायडू) से कह रहा हूं कि सिर्फ पांच साल नहीं, आपको एक दशक तक इस राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहना चाहिए। अभिनेता से राजनेता बने कल्याण ने कहा कि ऐसे समय में जब पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस सरकार ने आंध्र प्रदेश को सभी क्षेत्रों में पीछे धकेल दिया था, राज्य को एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की दिशा में बढ़ने के लिए नायडू की जरूरत है।

हिमाचल के ऊना में गोलगप्पे के पानी और कॉफी के नमूने फेल

ऊना (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हमीरपुर के मंदिर ट्रस्ट की दुकान पर बेचे जाने वाले रोट के नमूने फेल होने के बाद, हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में गोलगप्पे के पानी और कॉफी के नमूने भी गुणवत्ता की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए हैं और सरसों के तेल की गुणवत्ता भी नमूने की जांच में मानक के अनुसार नहीं मिली है।

ऊना शहर में खाद्य दुकानों और रेहड़ी वालों से लिए गए कुल 17 नमूनों को हाल ही में सोलन जिले के कंडाघाट में स्थित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया था। अधिकारियों ने बताया कि गोलगप्पे में रंग की मिलावट पाई गई। नियमों के अनुसार, पानी में रंग का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मंगलवार को हमीरपुर जिले के देवसिद्ध में बाबा बालक नाथ मंदिर में प्रसाद के रूप में बेचे जा रहे रोट के नमूने की गुणवत्ता खराब पाई गई। मंदिर प्रबंधन की ओर से बुधवार को दुकान बंद करा दी गई, साथ ही यह भी कहा गया कि जल्द ही बाहर से सामान मंगाया जाएगा। इस बीच, कंडाघाट प्रयोगशाला से 17 में से तीन नमूनों की रिपोर्ट आ गई है। इनमें से दो की गुणवत्ता खराब पाई गई है और एक गलत ब्रांड का नाम लिखा था। बुधवार को खाद्य मानक एवं सुरक्षा शाखा के सहायक निदेशक जगदीश धीमान ने कहा, इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य मानक एवं सुरक्षा शाखा द्वारा ऊना में लिए गए गोलगप्पे के पानी के नमूनों में भी मिलावट पाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि सरसों के तेल के नमूने में भी मिलावट मिली है, जबकि कॉफी का नमूना फेल पाया। उन्होंने बताया कि इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि बाजारों में केवल गुणवत्ता वाले उत्पाद ही बेचे जाएं और आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार मामला दर्ज किया जाए।

हिमाचल प्रदेशः 'प्रसाद' के नमूने सही नहीं पाए जाने के बाद बाबा बालक नाथ मंदिर ट्रस्ट की कैंटीन बंद

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हमीरपुर के बाबा बालक नाथ मंदिर में बेचे जा रहे प्रसाद के नमूने खाने योग्य नहीं पाए जाने के एक दिन बाद बुधवार को मंदिर प्रबंधन ने कैंटीन बंद कर दी और कहा कि इसके लिए बाहर से सेवाएं ली जाएंगी। बड़सर के उप-मंडल मजिस्ट्रेट राजेंद्र गौतम ने कहा, ट्रस्ट (मंदिर) की एक कैंटीन की सेवाएं पहले ही 'आउटसोर्स' की जा चुकी हैं। दूसरी कैंटीन की सेवाओं को 'आउटसोर्स' करने की प्रक्रिया जारी है। गौतम बाबा बालक नाथ मंदिर ट्रस्ट, दियोटसिद्ध के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि इस कैंटीन को बंद कर दिया गया है तथा बाहरी सेवाएं लेने के लिए निविदा प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने दो महीने पहले बाबा बालक नाथ मंदिर ट्रस्ट की दुकान पर प्रसाद के रूप में बेचे जा रहे रोट के नमूने जांच के लिए सोलन जिले के कंडाघाट स्थित 'कंपोजिट टेस्टिंग लैबोरेटरी' भेजे थे। ये नमूने खाने लायक नहीं पाए गए।

एक निजी दुकान से लिए गए 'रोट' के नमूने भी परीक्षण में सही नहीं पाए गए। 'रोट' बनाने के लिए गेहूं के आटे, चीनी और देसी घी या वनस्पति तेल का इस्तेमाल किया जाता है। प्रसाद बेचने वाली मुख्य कैंटीन मंदिर ट्रस्ट द्वारा शुरू से ही संचालित की जा रही थी और उसका कारोबार अच्छा चल रहा था। हर साल लगभग 50-75 लाख श्रद्धालु बाबा बालक नाथ के प्राचीन गुफा मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वे बाबा बालक नाथ को 'प्रसाद' के रूप में 'रोट, मिठाइयां और अन्य चीजें चढ़ाते हैं। हमीरपुर के उपायुक्त अमरजीत सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग खाद्य सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रोट और प्रसाद बेचने वाले सभी लोगों के लिए शिविर आयोजित करेगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंदिर से प्रसाद के नमूनों की जांच रिपोर्ट का ब्योरा मांगा है और हमीरपुर के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि श्रद्धालुओं को गुणवत्तापूर्ण रोट उपलब्ध कराए जाएं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और जेएसडब्ल्यू स्टील के प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल बुधवार को गांधी कृषि विज्ञान केंद्र में 'आईआईएम एटीएम 2024 और एनएमए' के उद्घाटन पर पहुंचे।

कर्नाटक सरकार ने 21 एमओयू पर हस्ताक्षर किए, 46,375 करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि पिछले साल उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य ने विभिन्न संगठनों के साथ 21 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इससे 46,375 करोड़ रुपये का निवेश आने और 27,170 नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) की 78वीं वार्षिक तकनीकी बैठक के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि बेंगलूरु प्रौद्योगिकी और औद्योगिक प्रगति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, हम इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे हैं, जिसमें धातुओं और सामग्रियों के भविष्य को आकार देने के लिए समर्पित 1,700 से अधिक विशेषज्ञ एक साथ आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिन के सम्मेलन का विषय 'सामग्री और विनिर्माण में परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियां' रखा गया है। यह तेजी से विकसित हो रहे विश्व की जटिलताओं से निपटने के लिए अग्रणी समाधान को लागू करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है।

उन्होंने कहा, सामग्री और विनिर्माण क्षेत्र आर्थिक वृद्धि और राष्ट्रीय मजबूती के स्तंभ हैं। उनका प्रभाव उद्योग से परे, हमारी सामूहिक प्रगति के हर क्षेत्र को छूता है। सिद्दरामय्या ने कहा, हरित भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के तहत कर्नाटक धातु और सामग्री निर्माण समेत विभिन्न उद्योगों में हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने को प्राथमिकता दे रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखते हुए पर्यावरण अनुकूल व्यवहार को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती को कर्नाटक का समर्पण भारत के जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के समग्र लक्ष्यों के अनुरूप है।

सिद्दरामय्या ने नाबार्ड ऋण कटौती पर चर्चा के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मांगा समय

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से राज्य को मिलने वाली ऋण राशि में इस साल की गई कटौती पर चर्चा के लिए उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री आज (बुधवार) रात राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होंगे। सिद्दरामय्या ने कहा, दिल्ली में नंदिनी उत्पादों को पेश किया जा रहा है, इसलिए मैं वहां जा रहा हूं। मैंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मिलने का समय मांगा है, क्योंकि इस साल राज्य को नाबार्ड से मिलने वाला कर्ज कम कर दिया गया है। पिछले साल 5,600 करोड़ रुपये दिए गए थे, इस साल 2,340 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसमें 58 प्रतिशत की कटौती की गई है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि नाबार्ड वित्त मंत्रालय के अधीन आता है और मैं उनसे अनुरोध करूंगा। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे कल शाम तक (राज्य में) लौटना होगा। अगर मुझे समय मिला तो मैं उनसे मिलूंगा।

कर्नाटक सरकार ने माओवादी नेता की हत्या की जांच कराने की मांग खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि नक्सल रोधी बल (एएनएफ) के साथ कथित मुठभेड़ में मारे गए माओवादी नेता विक्रम गौड़ा के पास 'घातक' हथियार थे और उन्होंने हत्या की जांच कराने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर एएनएफ ने उसे गोली नहीं मारी होती, तो वह उन सभी पर गोली चला देता। उन्होंने सोमवार को उसकी हत्या के बारे में किसी भी तरह के संदेह को खारिज कर दिया।

परमेश्वर ने कहा, वह (गौड़ा) एक घातक हथियार, एक स्वचालित मशीन गन जैसा हथियार लेकर जा रहा था। अगर उन्होंने (एएनएफ कर्मियों ने) उसे गोली नहीं मारी होती, तो उसने उन पर गोली चला दी होती। इसलिए मुझे बताया गया है कि उसे पहली नजर में ही गोली मार दी गई थी। इसलिए किसी भी चीज पर संदेह करने की कोई जरूरत नहीं है।

यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि उसके खिलाफ हत्या के आरोप सहित 60 से अधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा, ...इसलिए कोई जोखिम न लेते हुए उसका 'एनकाउंटर' हो गया। विभाग से कुछ लिखित रूप में मेरे पास आने के बाद ही मैं अधिक जानकारी साझा कर सकूंगा। उडुपी जिले के पीतेबैलु गांव के पास एएनएफ और माओवादियों के एक समूह के बीच कथित गोलीबारी में गौड़ा (46) की मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, वह कर्नाटक के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था, जिस पर कर्नाटक में हत्या और जबरन वसूली सहित 61 मामले और केरल में 19 मामले दर्ज थे। करकला से भाजपा विधायक वी सुनील कुमार के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि पिछले साल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद नक्सली गतिविधियां बढ़ी हैं, मंत्री ने कहा कि यह घटना उनके निर्वाचन क्षेत्र (करकला) में हुई जहां एएनएफ का मुख्यालय है।

द्रमुक ने 'राज्य भाषाओं की अनदेखी करने' और हिंदी माह मनाने के लिए केंद्र की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर बुधवार को आरोप लगाया कि उसने तमिल सहित अन्य राज्य भाषाओं की अनदेखी की और हिंदी माह एवं सप्ताह मनाया। पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं से 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए तुरंत अभियान शुरू करने और लोगों को महत्वपूर्ण योजनाओं एवं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दूरदर्शी नेतृत्व के बारे में बताने का आग्रह किया। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुक्त यात्रा और 'कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगई' (महिलाओं के अधिकार के लिए कलैगनार योजना) के तहत महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता द्रमुक सरकार की प्रमुख योजनाओं में शामिल है।

द्रमुक ने मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन की अध्यक्षता में अपनी उच्च स्तरीय बैठक में जाति जनगणना में 'देरी' को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर पार्टी के रुख को रेखांकित करने वाले विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें से एक प्रस्ताव में 9.2 फीसदी बेरोजगारी दर और तमिल एवं अन्य राज्य भाषाओं की अनदेखी करने तथा हिंदी माह एवं हिंदी सप्ताह से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र की निंदा की गई।

सत्तारूढ़ दल ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर भी केंद्र की आलोचना की और कहा कि यह अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनने के समान है। पार्टी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार की लोकतंत्र विरोधी, जन विरोधी और संविधान विरोधी गतिविधियों के लिए उसकी आलोचना की। साथ ही आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के सभी विभागों में आरक्षण से जुड़े नियम पूरी तरह से लागू नहीं किए गए हैं। द्रमुक ने केंद्र सरकार पर रेल हादसे रोकने में नाकाम रहने का आरोप भी लगाया।

पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में सभी वर्गों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया। पार्टी ने 'एक देश, एक चुनाव' अवधारणा को लेकर अपना विरोध दोहराया। उसने समग्र शिक्षा जैसी केंद्रीय योजनाओं के तहत राज्य को धन जारी नहीं किए जाने की निंदा की।

द्रमुक ने केंद्र सरकार पर संविधान द्वारा राज्यों को दिए गए अधिकारों को छीनने और गैर-भाजपा शासित राज्यों को आपदा राहत निधि जारी करने में 'पक्षपातपूर्ण' रवैया अपनाने का आरोप लगाया। पार्टी ने बजट में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के लिए धन आवंटन में कमी करने का आरोप लगाया। उसने आरोप लगाया कि भाजपा शासन केवल अपने सांप्रदायिक विचारों को लागू करने पर आमादा है, और दावा किया कि 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा द्वारा किए गए किसी भी वादे को लागू नहीं किया गया है।

द्रमुक ने 16वें वित्त आयोग से केंद्रीय करों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की राज्य सरकार की मांग का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र को इसे अवश्य स्वीकार करना चाहिए। द्रमुक ने केंद्र से श्रीलंका में कैद तमिलनाडु के मछुआरों की रिहाई के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। पार्टी ने यह भी कहा कि मछुआरों की जब्त नौकाओं को छुड़ाने के लिए भी पहल की जानी चाहिए। बैठक में उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, दुरईमुरुगन, टीआर बालू, ए राजा, आरएस भारती, कनिमोई समेत अन्य पार्टी नेताओं ने हिस्सा लिया।

एमयूडीए मामला: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साले लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए

मैसूरु (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साले मल्लिकार्जुन स्वामी ने लोकायुक्त पुलिस के समक्ष गवाही दी। लोकायुक्त पुलिस कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) स्थल आवंटन घोटाले की जांच कर रही है। लोकायुक्त सूत्रों ने बताया कि स्वामी मंगलवार रात करीब आठ बजे दस्तावेजों के साथ लोकायुक्त पुलिस कार्यालय पहुंचे।

सूत्रों के अनुसार, लोकायुक्त अधिकारियों ने बैंक लेनदेन से संबंधित विवरण मांगा है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज एमयूडीए मामले में तीसरे आरोपी मल्लिकार्जुन स्वामी से पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। एमयूडीए मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनकी पत्नी पार्वती बी एम भी आरोपी हैं। जांच दल ने उनसे भी पूछताछ की।

कर्नाटक ने 22.62 लाख अयोग्य बीपीएल कार्डधारकों की पहचान की; विपक्ष ने सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कोलार। कर्नाटक सरकार ने राज्य में ऐसे 22.62 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) कार्डधारकों की पहचान की है जो इसके पात्र नहीं हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस साल अगस्त में किए गए एक सर्वेक्षण में 22,62,482 बीपीएल कार्डधारकों का पता चला जो इसके लिए पात्र ही नहीं है। सरकार अब इन कार्ड को निरस्त करने पर विचार कर रही है।

बीपीएल कार्डधारकों को अन्न भाग्य योजना के तहत परिवार के हर सदस्य के लिए प्रति माह 10 किलोग्राम खाद्यान्न के साथ ही कांग्रेस नीत सरकार की गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवारों की महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक भत्ता दिया जाता है।

इस कदम का बचाव करते हुए, कर्नाटक के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री के एच मुनियप्पा ने कहा कि दक्षिणी राज्यों में आमतौर पर 50 प्रतिशत से अधिक आबादी बीपीएल कार्डधारकों की श्रेणी में नहीं आती।

मुनियप्पा ने कहा, महाराष्ट्र के बाद सबसे अधिक कर राजस्व देने वाले राज्य कर्नाटक में 75-80 प्रतिशत आबादी को बीपीएल की श्रेणी में रखना अवास्तविक है।

इसलिए, हमें इन कार्ड को रद्द करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इन कार्डों को समाप्त नहीं कर रही है, बल्कि इन्हें गरीबी रेखा से ऊपर (एपीएल) कार्ड के रूप में पुन:वर्गीकृत कर रही है। मुनियप्पा के अनुसार, सरकारी नौकरी करने वाले, आयकर देने वाले या 1.2 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले व्यक्ति बीपीएल कार्ड के पात्र नहीं हैं।

विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मुद्दे को उठाया और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। विपक्ष के नेता आर अशोक, पूर्व उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण और के गोपालैया सहित अन्य नेताओं ने बेंगलूरु में एक मार्च का नेतृत्व किया और प्रभावित बीपीएल परिवारों से मुलाकात की तथा राज्य सरकार के निर्णय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

शुभारंभ

कर्नाटक के मंत्री मधु बंगारप्पा ने बुधवार को बेंगलूरु में सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों के छात्रों के लिए मुफ़्त ऑनलाइन कक्षाओं का शुभारंभ किया।

तमिलनाडु के सरकारी स्कूल में शिक्षिका की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर। तमिलनाडु में तंजावुर जिले के मल्लीपट्टिनम स्थित सरकारी स्कूल में एक युवक द्वारा शिक्षिका की चाकू से गोदकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्तब्ध कर देने वाली इस घटना के बाद आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि युवक ने स्कूल के स्टाफ रूम में शिक्षिका पर उनके सहकर्मियों के सामने कथित तौर पर कई बार चाकू से वार किया।

इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने भी मल्लीपट्टनम राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका रमानी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षकों के खिलाफ हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती। हमलावर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हम शिक्षिका रमानी के शोक संतप्त परिवार, छात्रों और साथी शिक्षकों के प्रति अपनी

गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

पुलिस ने जानलेवा हमले के पीछे निजी कारण होने का दावा किया है। शिक्षिका को यहां सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनसे तंजावुर जाने और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने के लिए कहा है।

पोय्यामोझी ने कहा, मैंने जिलाधिकारी से आज स्कूल में छुट्टी घोषित करने और छात्रों को काउंसिलिंग सुविधा प्रदान करने के लिए कदम उठाने को कहा है। इस बीच अन्नाद्रमुक महासचिव ई के पलानीस्वामी ने हत्या की निंदा की और कहा कि इस घटना से पता चलता है कि सरकारी शिक्षकों और चिकित्सकों के लिए कार्यस्थलों पर सुरक्षा का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार कानून-व्यवस्था को बरकरार रखने में नाकाम रही है।

सिद्दरामय्या ने मुठभेड़ में माओवादी नेता के मारे जाने को उचित ठहराया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या बुधवार को नक्सल रोधी बल (एएनएफ) के साथ मुठभेड़ में माओवादी नेता विक्रम गौड़ा के मारे जाने को उचित ठहराते दिखे। उन्होंने कहा कि गौड़ा पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे और उसने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने के सरकार के निर्देश की अनदेखी भी की थी। सिद्दरामय्या ने सोमवार को हुई इस मुठभेड़ के बारे में संदेह व्यक्त करने वाले कुछ 'बुद्धिजीवियों' से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, एक स्थायी आदेश है। हमने कहा है कि अगर वे (नक्सली) आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें सभी सुविधाएं दी जाएंगी। उसने (गौड़ा) आत्मसमर्पण नहीं किया। केरल सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था, हमारी सरकार ने पांच लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा, आपको इसकी (मुठभेड़) सराहना करनी चाहिए। क्या नक्सलवाद रहना चाहिए या खत्म होना चाहिए? उडुपी जिले के हेबरी के पास काबिनले इलाके में पीतेबैलु गांव के पास एएनएफ और माओवादियों के एक समूह के बीच कथित गोलीबारी में गौड़ा (46) की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, वह कर्नाटक के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था जिस पर राज्य में हत्या और जबरन वसूली सहित 61 मामले दर्ज थे वहीं केरल में 19 मामले दर्ज थे।

लियोनेल मेस्सी की अगुवाई में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम अगले साल केरल में खेलेगी

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की अगुवाई में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अगले साल राज्य का दौरा करेगी। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध टीम केरल में दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी, जिसका आयोजन राज्य सरकार की पूर्ण निगरानी में किया जाएगा। एक प्रश्न के जवाब में अब्दुरहीमान ने कहा कि आयोजन स्थल और प्रतिद्वंद्वी टीम का फैसला बाद में किया जाएगा। उन्होंने कहा, लियोनेल मेसी सहित दुनिया की नंबर एक फुटबॉल टीम अर्जेंटीना केरल आ रही है... दो मैच होंगे। अब्दुरहीमान ने कहा कि अर्जेंटीना टीम का प्रबंधन टीम के राज्य दौरे के बारे में आधिकारिक घोषणा करेगा। मंत्री ने कहा कि फुटबॉल टीम से जुड़े लोग डेढ़ महीने के भीतर केरल आएंगे।

उन्होंने कहा, हमने (सरकार ने) इस संबंध में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम प्रबंधन के साथ संयुक्त घोषणा करने का फैसला किया है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने तथा उन्हें राज्य के दौरे का आधिकारिक निमंत्रण देने के लिए स्पेन का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि टीम से जुड़े व्यक्तियों से बातचीत की गई, जिन्होंने 2025 में भारत आने और मैत्रीपूर्ण मैच में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि टीम के आगमन पर अंतिम निर्णय ले लिया गया है और इसमें कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार सीधे तौर पर मैच, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी करेगी। उन्होंने कहा कि मैच के आयोजन स्थल और प्रतिद्वंद्वी टीम के बारे में बाद में निर्णय लिया जाएगा।

मैच का आयोजन अगले साल होगा, लेकिन तारीख की घोषणा अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ (एएफए) द्वारा तय प्रणाली के अनुसार की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैच ऐसे स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें कम से कम 50,000 लोग बैठ सकें। उन्होंने संकेत दिया कि मैच का आयोजन स्थल कोच्चि हो सकता है।

सम्मिट

बेंगलूरु में 'बेंगलूरु टेक सम्मिट 2024' में कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे, इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ और अन्य।

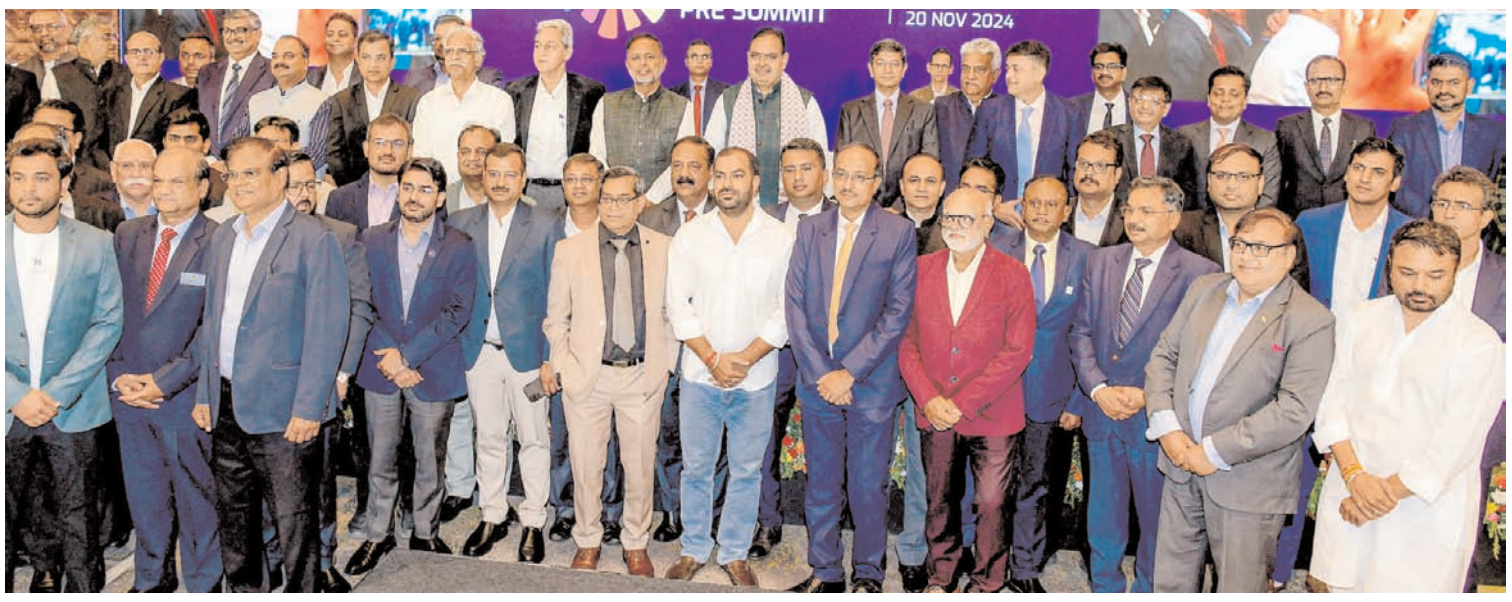

हमारा लक्ष्य राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना एवं अन्य राज्यों की बिजली मांग को पूरा करने में सक्षम बनाना है : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति में आज एनर्जी प्री-समिट में ऊर्जा क्षेत्र के निवेशकों के साथ 6.57 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। आज हस्ताक्षरित एमओयू में सौर, पवन, हरित हाइड्रोजन, हाइब्रिड, पंप स्टोरेज, बैटरी स्टोरेज और हरित अमोनिया परियोजनाओं सहित अक्षय ऊर्जा और बिजली उत्पादन क्षेत्र के विभिन्न खंडों में परियोजनाएं स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस अवसर पर बोलते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन से राज्य में लगभग 70000 नए रोजगार सृजित होंगे।

राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए निवेशकों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा, राजस्थान अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए एक सुनहरा अवसर प्रस्तुत करता है। राज्य में 2245 मेगावाट की क्षमता वाला दुनिया का सबसे बड़ा सौर पार्क है, यहाँ 325 दिन से अधिक धूप रहती है, हमारे पास सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र में असीमित अवसर मौजूद हैं। हमारा लक्ष्य राजस्थान को एक एनर्जी-सरप्लस राज्य बनाना है जो न केवल प्रदेश बल्कि अन्य राज्यों और देशों की मांगों को भी पूरा करने में भी सक्षम हो। मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि सरकार जल्द ही इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी 2024 लाएगी, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में कई नए संभावनाओं, जैसे कि पंप भंडारण, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण, जैव ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा आदि क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मौजूद राजस्थान सरकार के ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा, सरकार निवेशकों की व्यापक निगरानी और मार्गदर्शन के माध्यम से एमओयू के शीघ्र क्रियान्वयन की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के कार्यकाल के पहले वर्ष में ही 'राइजिंग राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 आयोजित करने की यह पहल मजबूत इरादे और हमारे दृढ़ निश्चय को दर्शाती है। आने वाले 3-4 वर्षों में एमओयू को धरातल पर चालू परियोजनाओं में परिवर्तित करने के लिए काम किया जाएगा

समिट से पहले अक्षय ऊर्जा के विविध क्षेत्रों में एमओयू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, ऊर्जा क्षेत्र 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत भारी मात्रा में निवेश जुटाने में सबसे आगे रहा है। हालांकि राज्य सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्रों में एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ है, लेकिन यह जानकर बहुत खुशी होती है कि आज बहुत सारे निवेशकों ने अक्षय ऊर्जा के नए क्षेत्रों में परियोजनाएं स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव-ऊर्जा आलोक ने कहा, राजस्थान ने ऊर्जा क्षेत्र में निवेश-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र और सही नीतिगत माहौल बनाया है, जो न केवल राजस्थान के ऊर्जा परिवर्तन में बल्कि पूरे देश के लिए योगदान देगा। इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी 2024 जैसी क्षेत्र में नई नीतियों का शुभारंभ राज्य को इस क्षेत्र में लचीलापन और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में आरआरईसी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव आलोक गुप्ता, डिस्कॉम्स की अध्यक्ष सुआरती डोगरा, राजस्थान सरकार के आरवीपीएनएल के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, आरआरईसीएल और आरयूवीआईटी के प्रबंध निदेशक ओम प्रकाश कसेरा और राजस्थान सरकार के अन्य अधिकारी शामिल थे। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की तैयारियों के तहत राजस्थान सरकार ने देश भर के साथ-साथ विदेशों में भी निवेशक सम्मेलन आयोजित किए हैं। घरेलू निवेशकों के सम्मेलन पहले ही मुंबई और नई दिल्ली में आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर निवेशक सम्मेलन अब तक दक्षिण कोरिया, जापान, यूएई, कतर, सिंगापुर, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और सऊदी अरब में आयोजित किए जा चुके हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहुंच के परिणामस्वरूप राजस्थान सरकार को अब तक 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव (एमओयू) प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के जबरदस्त विश्वास को दर्शाता है। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

अजमेर में सरस डेयरी समिति के सचिव की दिनदहाड़े हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर में एक दिल दहला देने वाली घटना में सरस डेयरी समिति के सचिव, किशनलाल (42), की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। एक युवक ने उनके ऑफिस में घुसकर पहले चेहरे पर स्प्रे किया और फिर चाकू से हमला कर दिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो हत्यारे के भागने और किशनलाल के घायल होने की पूरी तस्वीर दिखाता है।

घटना के अनुसार, सुबह 11 बजे के करीब दिलीप नामक युवक ने किशनलाल पर हमला किया। दिलीप, जो मृतक का चचेरा भाई है, पहले ऑफिस में आया और किशनलाल के चेहरे पर स्प्रे छिड़का। इसके बाद उसने चाकू से उनके सीने पर वार कर दिया। किशनलाल को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी युवक मानसिक रूप से परेशान था और उसके पत्नी से विवाद चल रहे थे। पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मुकदमा भी दर्ज कराया था। आरोपी अभी भी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी की पूरी करतूत कैद हो गई। फुटेज में देखा जा सकता है कि दिलीप ऑफिस में घुसता है और किशनलाल के चेहरे पर स्प्रे छिड़कता है। इसके बाद वह चाकू से हमला करता है और ऑफिस से बाहर भागता है। आरोपी ने अपनी बाइक मौके पर छोड़ दी और फिर फरार हो गया। परिवारिक विवाद का हो सकता है कारण : पुलिस का मानना है कि आरोपी युवक और उसके परिवार के बीच चल रहे विवाद और मानसिक परेशानी इस हत्याकांड के मुख्य कारण हो सकते हैं। पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों को काम पर लगा रही है।

खिलाड़ी कभी हारता नहीं है : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा में बुधवार को आयोजित एक समारोह में आर्मिनिया में आयोजित यूरेशियन कूडो कप 2024 में राज्य के विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने खिलाडियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये और उनको यूरेशियन कूडो कप में मिले मेडल, प्रमाण-पत्र और शील्ड का अवलोकन किया।

राठौड ने खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खेल में मन, मस्तिष्क और शरीर सभी एक साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाडी खेल के मैदान के साथ-साथ मैदान के बाहर भी चैम्पियन बनें। खेल मंत्री ने कूडो खेल के विस्तार की आवश्यकता जताते हुए कहा कि यह खेल मात्र खेल ही नहीं बल्कि सुरक्षा और बचाव का महत्वपूर्ण साधन है।

सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि कूडो एक श्रेष्ठ खेल है। यह खेल अब लोकप्रिय होता जा रहा है। इस खेल के प्रति लोग रूचि लेने लगे हैं। राज्य के विभिन्न जिलों के बच्चों ने कूडो अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। गर्ग ने कहा कि खिलाडी कभी हारता नहीं है। उन्होंने कहा कि खिलाडी या तो जीतता है या सीखता है।

राजस्थान राज्य खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के. पवन ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार अब राज्य में खेल और युवा नीति ला रही है। इसके लिए लोगों से सुझाव मांगे गये है। पवन ने बताया कि अब राज्य में युवा महोत्सव का विस्तार ब्लॉक स्तर पर किया जा रहा है। ऐसा पहली बार हो रहा है। दस हजार बच्चों ने अभी तक इसके लिए पंजीयन करा लिया है।

हर विधान सभा क्षेत्र में एक स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही राज्य सरकार पारम्परिक खेलों को बढाने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह में स्वागत उद्बोधन कूडो के हैड कोच राजकुमार ने किया। उन्होंने बताया कि पचास हजार महिलाओं को कूड़ो का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया है। समारोह में खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सहित विभिन्न जिलों से आये कूडो के कोच भी मौजूद थे। समारोह में कूडो के कई कोच का भी सम्मान किया गया। समारोह का संचालन राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रमोद सीरवी ने किया।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था को पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार अगले पांच साल में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना कर 350 अरब डॉलर करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। वे यहां सचिवालय में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान को अगले पांच वर्षों में 180 अरब से दोगुना करके 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुसार हम भी विकसित राजस्थान-2047 के लिए काम कर रहे हैं और सिंगापुर इसमें हमारा बहुत महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने सिंगापुर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान की संस्कृति 'अतिथि देवो भवः' की रही है तथा राजस्थान अपने अद्वितीय संस्कृति और विरासत के लिए दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का सिंगापुर बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है तथा सिंगापुर ने अपने आर्थिक मॉडल से विश्व को प्रेरित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य, जल संचय, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हो रहा है। राज्य के लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए हमनें कुल बजट का 8.26 प्रतिशत बजट स्वास्थ्य क्षेत्र को दिया है। वहीं, 'कैच द रैन' तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन 2.0 के माध्यम से राज्य में जल संचय को बढ़ावा दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य में विश्वभर के लिए निवेश के नए अवसर खोलने के लिए हम आगामी नौ से 11 दिसम्बर को 'राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन' का आयोजन करने जा रहे हैं। इस सम्मेलन के तहत अब तक 20 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो चुके हैं। शर्मा ने इसमें सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल को भी आमंत्रित किया।

बैठक में सिंगापुर के डिजिटल विकास और सूचना मंत्रालय वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, प्रधानमंत्री कार्यालय से वरिष्ठ राज्यमंत्री डेसमंड टैन कोक मेंग, शिक्षा और जनशक्ति राज्य मंत्री गेन सियो हुआंग, शिक्षा और वित्त मंत्रालय से वरिष्ठ संसदीय सचिव शॉन हुआंग एवं संसद सदस्य जी याओ क्वान, राचेल ऑग एवं सक्तियादी सुपाट शामिल थे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा डॉ. प्रेम चंद बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद थे।

पाली जिले में डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मारी, चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में बुधवार को एक डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी जिससे चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। रोहट के थानाधिकारी निरंजन सिंह ने बताया कि एक मरीज अशोक को अहमदाबाद से एंबुलेंस में जोधपुर लाया जा रहा था। उसके साथ उसके परिजन भी थे। सिंह के अनुसार, गजनगढ़ के पास अचानक सड़क पर मवेशी आ गया और एंबुलेंस से टकरा गया। हादसे में एंबुलेंस को नुकसान पहुंचा और जोधपुर से दूसरी एंबुलेंस बुलाई गई।

जब मरीज को दूसरी एंबुलेंस में स्थानांतरित जाया जा रहा था तभी तेज गति से जा रहे एक डंपर ने (दुर्घटनाग्रस्त) एंबुलेंस को टक्कर मार दी जिससे मोहिनी देवी और फगली देवी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दो अन्य हरिराम और सुनील ने जोधपुर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सुनील एंबुलेंस का चालक था। इस हादसे में अशोक घायल हो गया और उसका इलाज किया जा रहा है।

राजस्थान सरकार ने 'द साबरमती रिपोर्ट' को कर-मुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को कर-मुक्त करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, हमारी सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को राजस्थान में कर-मुक्त (टैक्स फ्री) करने का सार्थक निर्णय लिया है।

शर्मा के अनुसार, यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल-खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया। यह फिल्म न केवल तत्कालीन व्यवस्था की वास्तविकता को प्रभावशाली रूप से उजागर करती है, बल्कि उस समय के भ्रामक एवं मिथ्या प्रचार का भी खंडन करती है। इस दुर्भाग्यपूर्ण एवं हृदय विदारक घटना को फिल्म में अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा, यह फिल्म इसलिए भी अवश्य देखी जानी चाहिए क्योंकि अतीत का गहन एवं विवेचनात्मक अध्ययन ही हमें वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।

बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र है शिक्षाः धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा को बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र बताते हुए बुधवार को कहा कि यह समाज में समानता को बढ़ावा देती है। वह झुंझुनूं जिले के काजड़ा में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, शिक्षा बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र है। शिक्षा समाज में समानता को बढ़ावा देती है। शिक्षा समाज में असमानता को कुंठित करती है।'' उन्होंने कहा,''ज्ञानं अहम। अर्थात, ज्ञान ही एक ऐसा है जो अहम है। शिक्षा हमें जो चरित्र देती हैं वही हमें परिभाषित करता है।''

आधिकारिक बयान के अनुसार धनखड़ ने अनुशासन, संस्कार और मानव निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों से कहा, आपकी उम्र में संस्कारी बनना आवश्यक है। माता-पिता का सम्मान करना, गुरुजनों को प्रणाम करना, आपसी भाईचारे को बढ़ाना और अनुशासन दिखाना आपके जीवन के अभिन्न हिस्से होने चाहिए। मानव निर्माण के लिए श्रेष्ठ आदतों का संचार आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की सरकारी नीतियों ने आपकी प्रतिभा को चमकाने के लिए अनेक मंच प्रदान किए हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, आप सभी ग्रामीण भारत की रीढ़ की हड्डी हैं। याद रखें, भारत की आत्मा ग्रामीण अंचल में है। हमारी जड़ें ग्रामीण भारत में ही मजबूत होती हैं। हमारा अन्नदाता किसान भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही रहता है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज और नगर पालिका जैसी संस्थाओं के माध्यम से भारत ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक सशक्त किया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे एक गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा, तीन दशकों के बाद भारत को एक नई शिक्षा नीति मिली है, जिसका उद्देश्य छात्रों को केवल पुस्तकों और डिग्रियों के बोझ से मुक्त करना और उन्हें कौशलयुक्त बनाना है। यह नीति भारत को 2047 तक विकसित भारत के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

शव खोजने के लिए तालाब को करना पड़ा खाली, पुलिस की डर से कूदा था युवक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर में तालाब में डूबकर एक युवक की मौत का मामला इतना पेचीदा हो गया है कि प्रशासन को पूरा तालाब ही खाली करना पड़ गया। दरअसल, चार दिन पहले गांव में तलवार से लोगों को डराकर शांतिभंग कर रहे एक युवक को पुलिस पकड़ने गई तो पुलिस की डर से उसने तालाब में छलांग लगा दी। तीन दिन तक जब शव बरामद नहीं हुआ तो अब तालाब का पानी खाली करवाया जा रहा है। मामला उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र के गांव पुनावली गांव का है। जहां मेड़ी का मथारा निवासी खुम सिंह गांव में तलवार लेकर घूम रहा था। वह तलवार के बल पर लोगों को डरा रहा था। भयभीत ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस के जवानों को देखकर युवक वहां से भाग गया। पुलिस ने पिछा किया तो वह डर कर गांव के तालाब में कूद गया। वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो पुलिस और ग्रामीणों को उसकी जान जाने का अंदेशा हुआ। पहले दिन ग्रामीणों और पुलिस ने शव ढूंढने की कोशिश की लेकिन नहीं मिला।

जब स्थानीय स्तर पर खोजने पर शव नहीं मिला तो एक दिन बाद ही एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम ने तीन दिनों तक कोशिश की फिर भी युवक का शव नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद भी युवक का शव नहीं मिला तो आखिरकार पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ ने तालाब से पानी खाली करने का निर्णय लिया। बुधवार सुबह तालाब की पाल को तोड़कर तालाब का पानी खाली करने की शुरुआत की गई।

ओछी सियासत के लिए गांधी को गाली देते हैं आरएसएस-बीजेपी के लोग : डोटासरा

जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के महात्मा गांधी को लेकर दिए गए एक बयान को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पलटवार करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का तिरस्कार और नफरत भरे ये विचार आरएसएस-बीजेपी की शाखाओं से निकले हैं। उन्होंने कहा कि गांधी की विचारधारा और संविधान से घृणा करने वाले लोग आए दिन अपनी ओछी सियासत के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से गाली देते हैं, उनका अपमान करते हैं। डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बयान जारी कर कहा गांधी की विचारधारा और संविधान से घृणा करने वाले भाजपा-आरएसएस के लोग आए दिन अपनी ओछी सियासत के लिए गांधी को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से गाली देते हैं, उनका अपमान करते हैं।

डोटासरा ने कहा कि गांधी के लिए राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ के इस अपमानित बयान ने सिद्ध कर दिया कि ये लोग सिर्फ और सिर्फ गोडसे के उपासक हैं। उन्होंने मदन राठौड़ के इस बयान को अत्यंत शर्मनाक बताते हुए शब्दों में निंदा की है। साथ ही गोविंद डोटासरा ने मांग की है कि मदन राठौड़ को अपने इस बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

पिछली सरकार में दिवालिया हो गई बिजली कम्पनियां, हमने सुधारी हालत : शर्मा

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने राजस्थान राइजिंग एनर्जी सेक्टर प्री समिट में निवेशकों को राज्य सरकार की तरफ से सभी सुविधाएं देने का भरोसा देते हुए पिछली सरकार पर भी निशाना साधा। राजस्थान राइजिंग एनर्जी सेक्टर प्री समिट में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमने सरकार में आते ही यह देखा कि राजस्थान में एनर्जी सेक्टर में अथाह संभावना है और इसको कैसे और बढ़ाया जा सकता है।

निवेशकों के रुझान देखते हुए हम उन्हें जमीन, सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं मुहैया कराएंगे। यह एक साझा प्रयास है। पिछली सरकार में बिजली कम्पनिया दिवालिया हो गयी। हमने फिर से व्यवस्था सुधारने का काम किया है। हमने करीब 4 लाख करोड़ के कुल एमओयू किए हैं। अफसरों को कहा है कि एमओयू कागजी साबित नहीं होने चाहिए और सभी जल्दी धरातल पर नजर आए। निवेशकों से लगातार सामंजस्य बनाकर रखें, क्योंकि प्रोजेक्ट में देरी से लागत बढ़ती है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में लगभग 30 हजार गीगावाट क्षमता का बिजली उत्पादन मौजूद है। सोलर एनर्जी सेक्टर में हमारा विशेष रूप से फोकस है।

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव शाम पांच बजे तक लगभग 50% मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए बुधवार शाम पांच बजे तक लगभग 50 प्रतिशत वोट पड़े। प्रदेश की कटेहरी, करहल, मीरापुर, गाजियाबाद, मझवां, सीसामऊ, खैर, फूलपुर और कुंदरकी सीट पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। जो मतदाता शाम पांच बजे तक मतदान केन्द्र के अंदर पहुंच गए, उन सभी को वोट डालने दिया गया।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शुरू में धीमी रफ्तार के बाद मतदान में तेजी आयी। हालांकि शाम पांच बजे तक औसतन करीब 50 फीसद वोट पड़े। गाजियाबाद में सिर्फ 33 प्रतिशत मतदान हुआ। आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, शाम पांच बजे तक गाजियाबाद में 33.30 प्रतिशत, कटेहरी में 56.69 प्रतिशत, खैर में 46.35 प्रतिशत, कुंदरकी में 57.32 प्रतिशत, करहल में 53.92 प्रतिशत, मझवां में 50.41 प्रतिशत, मीरापुर में 57.02 प्रतिशत, फूलपुर में 43.43 प्रतिशत और सीसामऊ में 49.03 प्रतिशत मतदान हुआ। आयोग के अनुसार, मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ और कहीं से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं आयी। मगर मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया।

अखिलेश का आरोप : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक समाचार चैनल का वीडियो साझा करते हुए कहा, कुछ पुलिस अधिकारी पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। ये मतदाताओं को धमका रहे हैं और उन पर हाथ भी उठा रहे हैं। लाठी मारने की धमकी भी दे रहे हैं। साथ ही समाचार चैनल तक को धकेलकर अपना रौब जमा रहे हैं। ऐसे अधिकारी की पहचान की जाए और तत्काल निलंबित किया जाए। इससे पहले, यादव ने उच्चतम न्यायालय और निर्वाचन आयोग से वीडियो साक्ष्य के आधार पर तत्काल संज्ञान लेने और दंडात्मक कार्रवाई करने तथा निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की अपील की।

पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया : पुलिसकर्मियों द्वारा कुछ स्थानों पर मतदाताओं के पहचान पत्रों की जांच करके उन्हें परेशान करने की शिकायतों के बीच, प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने बताया कि शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए चुनाव ड्यूटी पर तैनात पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

रिणवा ने कहा, निलंबित पुलिसकर्मियों में कानपुर और मुजफ्फरनगर में दो-दो और मुरादाबाद का एक पुलिसकर्मी शामिल है। हम सभी शिकायतों पर संज्ञान लेते हैं और तुरंत उसका सत्यापन करते हैं, जिसके बाद कार्रवाई की जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा नहीं है कि निर्वाचन आयोग शिकायतों का संज्ञान नहीं लेता।

रिणवा ने कहा, यह स्पष्ट कर दिया गया है कि केवल चुनाव अधिकारी ही मतदाताओं के पहचान-पत्रों की जांच करेंगे, मतदान केंद्र के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी नहीं। वे सुरक्षा जांच के लिए अपनी ड्यूटी कर सकते हैं। भविष्य में भी अगर मतदाताओं को मतदान करने से रोकने की कोई शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड विस चुनाव के अंतिम चरण में 68 प्रतिशत मतदान हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे और अंतिम चरण के चुनाव में 38 निर्वाचन क्षेत्रों में बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच करीब 68 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मतदान प्रतिशत 2019 के विधानसभा चुनाव के 67.04 प्रतिशत के मुकाबले इस बार अधिक रहा।

इसके साथ ही, 81 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए चुनाव संपन्न हो गए। राज्य में 13 नवंबर को 43 सीट के लिए पहले चरण के मतदान में 1.37 करोड़ मतदाताओं में से 66 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया, ''रात आठ बजे तक के आंकड़ों के अनुसार लगभग 67.71 प्रतिशत मतदान हुआ। जामताड़ा जिला 76.16 प्रतिशत मतदान के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि बोकारो जिले में सबसे कम 60.97 प्रतिशत मतदान हुआ।''

निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य में कुल मतदान प्रतिशत 2019 के विधानसभा चुनावों में दर्ज 63.9 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि 12 जिलों के 14,218 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू होकर पांच बजे संपन्न हुआ, जबकि 31 मतदान केंद्रों पर मतदान शाम चार बजे संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर और हनुमानगढ़ी में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे जिस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी और रामलला मंदिर में दर्शन-पूजन किया।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर हनुमत दरबार में हाजिरी लगाई। उसके बाद उन्होंने श्रीरामलला के मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने दोनों मंदिरों में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच अयोध्या पहुंचे। इस दौरान महापौर एवं विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री बुधवार दोपहर रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने यहां दर्शन-पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन-पूजन किया। इसके पहले मुख्यमंत्री आदित्यनाथ दीपोत्सव के दौरान अयोध्या पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन हनुमान जी के चरणों में हाजिरी लगाई थी।

बेलडांगा जाते समय बंगाल भाजपा अध्यक्ष मजूमदार को किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को राज्य पुलिस ने बुधवार दोपहर नादिया जिले के कृष्णानगर इलाके में उस समय ''एहतियातन गिरफ्तार'' कर लिया, जब वह मुर्शिदाबाद से सटे हिंसा प्रभावित बेलडांगा की स्थिति का जायजा लेने जा रहे थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत की गई। इस धारा के तहत गिरफ्तारी संभावित संज्ञेय अपराधों को रोकने के लिए की जाती हैं। कृष्णानगर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मजूमदार की एहतियातन गिरफ्तारी बीएनएसएस की धारा 170 के तहत की गई। वह उस स्थान की ओर जा रहे थे जहां निषेधाज्ञा लागू थी। कोतवाली थाना के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए जाने के तुरंत बाद मजूमदार ने कहा, मैं वहां की

स्थिति का जायजा लेने के लिए बेलडांगा जाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस द्वारा हमें बेलडांगा जाने से रोकने के विरोध में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं ने अन्य इलाकों में सड़क बाधित कर दिया है। इससे पहले मजूमदार के काफिले को पुलिस ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा जाते वक्त रोक दिया था।

बेलडांगा में दो समुदायों के बीच झड़प में करीब 17 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला दिया और कहा कि भाजपा नेता के दौरे से शांति भंग हो सकती है। कार्तिक पूजा के लिए बनाए गए अस्थायी गेट पर लगे बोर्ड पर आपत्तिजनक संदेश को लेकर शनिवार रात बेलडांगा में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी।

ओडिशा सरकार ने बच्चों को 'बेचे जाने' के मामले की जांच के आदेश दिए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने रायगड़ा और बोलांगीर जिलों में गरीबी के कारण दो बच्चों को कथित तौर पर बेचे जाने की घटनाओं की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। रायगड़ा जिले में एक घटना सामने आई है, जिसमें गरीब दम्पति ने अपनी नौ दिन की बेटी को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के एक दम्पति को 20,000 रुपए में बेच दिया। एक अधिकारी ने बताया कि कुमुद गंटा (22) और उनके पति राहुल धनबेड़ा (25) रायगड़ा के चंदिली पुलिस थाना सीमा के अंतर्गत नुआपाड़ा कॉलोनी के निवासी हैं और उनकी तीन साल की बेटी और एक नवजात शिशु जिला मुख्यालय अस्पताल में हैं। राहुल किसी ट्रक पर खलासी के तौर पर काम करता है और उसकी मासिक आय 1,500 रुपए है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक मध्यस्थ ने लेन-देन में दंपति की मदद की। सूत्रों ने बताया कि बच्चे को कथित तौर पर 11 नवंबर को आंध्र प्रदेश के पार्वतीपुरम मन्यम जिले के पेदापेनकी गांव के एक दंपत्ति को बेचा गया था। जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) के सदस्य निराकार पाढ़ी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बच्चे को स्टाम्प पेपर पर हुए समझौते के जरिए आंध्र के दंपत्ति को दिया गया था। उन्होंने कहा, हालांकि मूल माता-पिता ने कोई भी पैसा मिलने से इनकार किया है, लेकिन हमारी जांच में 20,000 रुपए के लेन-देन का पता चला है।

मणिपुर हिंसा : सीओसीओएमआई ने आंदोलन 1 हफ्ते के लिए स्थगित किया

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों द्वारा नागरिकों की हत्या में शामिल संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान का आह्वान करने वाले प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद 'द कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (सीओसीओएमआई)' ने अपना आंदोलन बुधवार को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया। सीओसीओएमआई इंफाल घाटी के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक नागरिक समाज संगठन है। इंफाल में संवाददाताओं को फैसले की जानकारी देते हुए सीओसीओएमआई के संयोजक सोमोरेंद्रो थोकचोम ने उन क्षेत्रों से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) को हटाने का आह्वान किया, जहां इसे हाल ही में फिर से लागू किया गया था। थोकचोम ने कहा, हम देखेंगे कि विधायकों द्वारा पारित प्रस्ताव का क्रियान्वयन कैसे होता है। आगे की कार्रवाई पर इसके बाद ही फैसला लिया जाएगा। एक बयान के मुताबिक, मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग के विधायकों की बैठक में जिरीबाम जिले में सात दिनों के भीतर तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार को उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिश के 48 घंटे के भीतर बुधवार को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त कर दिया गया। उच्च न्यायालय के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल 62 वर्ष की उम्र पूरी करने के कारण बृहस्पतिवार को पद छोड़ देंगे। शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने 18 नवंबर को मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति कृष्णकुमार का नाम प्रस्तावित किया, जो वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति कृष्णकुमार की पदोन्नति की घोषणा की और कहा, मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

हरदोई में महिला के पेट से निकाला गया सात किलो का ट्यूमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने एक महिला के पेट का ऑपरेशन कर सात किलोग्राम का ट्यूमर निकाला जो पिछले कई वर्षों से पेट में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और पेशाब संबंधी समस्याओं से जूझ रही थी। चिकित्सा संस्थान के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि भरखनी खंड के निजामपुर गांव की रहने वाली शहाना (33) कई वर्षों से इलाज करवा रही थी लेकिन उसे कोई राहत नहीं मिली जिससे उसकी हालत बिगड़ती गई और वह ठीक से सांस लेने या पेशाब करने में भी असमर्थ हो गई। उन्होंने बताया कि साथ ही गर्भधारण भी नहीं हो रहा था जिसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच और सीटी स्कैन की रिपोर्ट में शहाना के पेट में करीब 20 इंच का ट्यूमर पता लगाया गया जिसके बाद डॉ. मधुलिका शुक्ला की अध्यक्षता वाली मेडिकल टीम ने जोखिम के बावजूद सर्जरी की सिफारिश की। परिवार से सहमति मिलने के बाद टीम ने ऑपरेशन किया।

मॉरीशस और अन्य देशों के फिल्म निर्माताओं ने बिहार में फिल्म शूटिंग में रुचि दिखाई : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को कहा कि मॉरीशस सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं ने बिहार में फिल्मों की शूटिंग करने या राज्य पर आधारित फिल्में बनाने में रुचि दिखाई है।

सिन्हा बुधवार को गोवा में अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के 55वें संस्करण के दौरान बिहार मंडप का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में बिहार की भागीदारी से राज्य में फिल्म निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में अनुमोदित और अधिसूचित बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति से निवेश को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजन होगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और राज्य की छवि बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मॉरीशस समेत कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं ने बिहार में फिल्म की शूटिंग करने या राज्य पर आधारित फिल्में बनाने में रुचि दिखाई है। अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद कुछ ने अपनी परियोजनाओं पर काम करना शुरू भी कर दिया है। सिन्हा ने सांस्कृतिक संरक्षण और जन जागरूकता में फिल्मों की भूमिका पर जोर दिया। हमारे पास बिहार की विरासत को विश्व मंच पर लाने की प्रतिभा है। बिहार में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। कला और संस्कृति के क्षेत्र में बिहार का गौरवशाली अतीत और प्राकृतिक सौंदर्य फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए काफी है।

शहीद स्मारक क्षेत्र असम आंदोलन के शहीदों के लिए श्रद्धांजलि होगा: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि गुवाहाटी में प्रस्तावित 'शहीद स्मारक क्षेत्र' असम आंदोलन के 855 शहीद के लिए श्रद्धांजलि होगा।

उन्होंने बताया कि अगले साल तक स्मारक का उद्घाटन होने की उम्मीद है। इसके अलावा लोगों को और अधिक आकर्षित करने के लिए सरकार निर्माण के दूसरे चरण पर भी विचार कर रही है। पश्चिम बोरगांव में निर्माण स्थल पर काम की प्रगति की समीक्षा करने के बाद शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, यह सभी 855 शहीदों का स्मारक है। इसमें उनकी तस्वीरें और प्रतिमाएं होंगी। आंदोलन की तस्वीरों वाला एक हॉल और ध्यान के लिए एक अलग स्थान भी होगा। उन्होंने बताया कि अब तक परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं और निर्माण के दूसरे चरण के लिए और अधिक धनराशि की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर हम इस वर्ष 10 दिसंबर से पहले परियोजना को पूरा कर पाए तो इसका उद्घाटन पहले ही कर दिया जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर/भाषा। 'गोल्डन गर्ल' दीपिका के टूर्नामेंट में 11वें गोल की मदद से भारत ने ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराकर महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब बरकरार रखा।

पिछले साल रांची में और 2016 में सिंगापुर में यह खिताब जीत चुकी भारतीय टीम ने जबर्दस्त तालमेल और संयम का परिचय देते हुए चीन को हाशिये पर रखा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस पर पहला शॉट चूक गया लेकिन गेंद सर्कल के भीतर ही थी और नवनीत की स्टिक से डिफ्लैक्ट होकर दीपिका के पास पहुंची जिसने शानदार फ्लिक से उसे गोल के भीतर डाला। भारत के पास तीसरे क्वार्टर में ही बढत दुगुनी करने का सुनहरा मौका था लेकिन 42वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर दीपिका का शॉट चीन की गोलकीपर ने दाहिनी ओर डाइव लगाकर बचा लिया। भारत को चौथे क्वार्टर में भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वैरिएशन का कोई नतीजा नहीं निकला। इससे पहले चीन ने शुरुआती मिनट से गेंद पर नियंत्रण के मामले दबदबा बनाए रखा। पहले हाफ में हालांकि भारतीय टीम आठ बार चीन के सर्कल में घुसी और चीनी टीम पांच बार ही हमले बोल सकी लेकिन उसने भारतीय खिलाड़ियों को गेंद आसानी से नहीं लेने दी। वहीं भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर फिनिशंग टच के लिए जूझते रहे। जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में 16 पेनल्टी कॉर्नर में से एक भी तब्दील नहीं कर सकी भारतीय टीम की कमजोरी फाइनल में पहले 30 मिनट में फिर देखने को मिली जब उसे मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए।

भारत के पास चौथे मिनट में गोल करने का मौका था जब सुनेलिटा टोप्पो दाहिने फ्लैंक से अकेले गेंद लेकर आगे बढी लेकिन उनके प्रयास को चीन की गोलकीपर ने नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में तीसरे ही मिनट में चीन को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन तान झिझुयांग के शॉट को भारतीय गोलकीपर बिछू देवी ने दाहिने ओर डाइव लगाकर बचाया और रिबाउंड पर भी गोल नहीं होने दिया। इस बीच भारत को 20वें से 21वें मिनट के भीतर मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। पहले पर दीपिका का शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया जबकि दूसरा गोलकीपर ने और तीसरा डिफेंडर ने बचाया।

हार्दिक टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की सूची में फिर शीर्ष पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बुधवार को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए जबकि उभरते हुए स्टार खिलाड़ी और टीम के उनके साथी तिलक वर्मा भी 69 स्थान की लंबी छलांग के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। हार्दिक ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 श्रृंखला के दौरान गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ा।

हार्दिक ने चार मैच की श्रृंखला के दूसरे मैच में नाबाद 39 रन की पारी खेली जबकि चौथे और अंतिम मुकाबले में आठ रन देकर एक विकेट चटकाया जिससे भारत को 3-1 से श्रृंखला जीतने में मदद मिली। हार्दिक दूसरी बार टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में नंबर एक बने हैं। वह इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। पंड्या

आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे वर्मा ने दो शतक की मदद से 280 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 69 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के बाद तीसरे स्थान पर हैं। वह भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से चौथे पायदान पर हैं।

भारत के संजू सैमसन भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दो शतक की बदौलत बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं।

खुश हैं कि पुजारा भारतीय टीम में नहीं हैं : हेजलवुड

पर्थ/भाषा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने प्रसन्नता जताई है कि शुक्रवार से यहां शुरू हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में उन्हें भारत के अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का सामना नहीं करना होगा। पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने पिछले दो दौरों पर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

पुजारा ने 2018 . 19 में चार टेस्ट की सात पारियों में 1258 गेंदें खेलकर तीन शतक जमाए थे। वह भारत की जीत के सूत्रधारों में से एक थे। उन्होंने 2020 . 21 की श्रृंखला में 928 गेंदें खेली जो श्रृंखला में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक थी और इस बार भी उन्होंने जीत में अहम योगदान दिया। हेजलवुड ने पहले टेस्ट से पूर्व पत्रकारों से कहा, मुझे खुशी है कि पुजारा उनकी टीम में नहीं है। वह ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका विकेट आप हमेशा लेना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हालांकि कहा कि भारत के पास काफी प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं।

बेंगलूरु | गुरुवार | 21-11-2024 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

खूबसूरत चेहरा भी बूढ़ा हो जाता है, ताकतवर जिस्म एक दिन ढल जाता है पद और ओहदा भी एक दिन समाप्त हो जाते है..लेकिन एक अच्छा इंसान हमेशा अच्छा इंसान ही रहता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर अपराधियों का गहरा गठजोड़

भारत में वित्तीय अपराधों से जुड़ीं घटनाओं में चीनी नागरिकों पर आरोप लगना गंभीर मामला है। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से शीओ या माओ और वू युआनलुन को तो धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत ईडी ने गिरफ्तार किया है। उन पर कोरोना महामारी के दौरान ऋण ऐप के जरिए धोखाधड़ी करने और उस अपराध से मिले धन का क्रिप्टो करेंसी मंच के जरिए शोधन करने का आरोप है। इसी तरह, दिल्ली पुलिस ने 43 लाख रुपए की साइबर धोखाधड़ी के मामले में चीनी नागरिक फेंग चेनजिन को गिरफ्तार किया है। यही नहीं, इस शख्स की गिरफ्तारी से पुलिस को 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के 'ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग' घोटाले का पता लगाने में मदद मिली है। क्या भारत में साइबर अपराधी कम थे, जो अब चीनी नागरिक भी लूटमार करने आ गए? हाल के वर्षों में वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर ठगी के जो मामले सामने आए हैं, उनका अध्ययन करें तो यह शक और गहरा होता है कि भारत में इन अपराधों को अंजाम देने वालों का पाकिस्तानी और चीनी अपराधियों के साथ गहरा गठजोड़ है। चूंकि पिछले एक दशक में भारत में इंटरनेट और बैंकिंग सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। लोग अपनी कमाई और बचत का बहुत बड़ा हिस्सा बैंक खातों में रखने लगे हैं। वहीं, साइबर सुरक्षा में कई खामियां हैं। लोगों में जागरूकता की कमी है। इसका फायदा साइबर ठग खूब उठा रहे हैं। इंटरनेट ने उन्हें इतनी सुविधा दे दी कि वे दूरदराज के इलाके में स्थित एक छोटे-से कमरे में बैठकर महानगरों में रहने वालों को भी करोड़ों रुपए का चूना लगा रहे हैं। ठगी के 'धंधे' में पाकिस्तानी और चीनी अपराधियों का प्रवेश इन मामलों को और उलझाता है।

भारत में रहने वाले साइबर अपराधी जब ठगी की रकम विभिन्न माध्यमों से चीन या पाकिस्तान भेज देते हैं तो उसे बरामद करना 'टेढ़ी खीर' होता है। चूंकि ये दोनों देश भारत से शत्रुता रखते हैं, इसलिए उस स्थिति में इनकी जांच एजेंसियां कोई सहयोग नहीं करेंगी। ठगी के तौर-तरीके इस बात के संकेत देते हैं कि साइबर अपराधियों को वहां की सरकारों ने खुली छूट दे रखी है, ताकि वे भारतीय नागरिकों को नुकसान पहुंचाएं। इससे चीन और पाकिस्तान को एक भी गोली नहीं चलानी पड़ती, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत भारी नुकसान होता है। दिल्ली पुलिस को 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के जिस 'ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग' घोटाले का पता चला है, उसमें सोशल मीडिया समूहों की भूमिका सामने आई है। आसान शब्दों में कहें तो आज सोशल मीडिया समूह सिर्फ विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम नहीं हैं। यहां साइबर अपराधी भी खूब सक्रिय हैं। वे नए-नए तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोगों को ज्यादा से ज्यादा कैसे फंसाया जाए, इसके लिए वे भारत में रहने वाले साइबर अपराधियों को तरीके भी बताते होंगे। आज एआई की मदद से ऐसी सोशल मीडिया पोस्ट, प्रोफाइल और फोटो तैयार करना बहुत आसान हो गया है, जिन्हें देखकर असली-नकली का फर्क मालूम करना मुश्किल होता है। फेसबुक पर ऐसी पोस्ट्स की भरमार है, जिनमें किसी 'आकर्षक फोटो' के साथ ऐसे शब्द लिखे होते हैं, जिन्हें पढ़कर बहुत लोग झांसे में आ जाते हैं। उदाहरण के लिए, एक पोस्ट में किसी महिला (संभवत: एआई से बनाई गई फर्जी फोटो) को करोड़ों रुपए की मालकिन बताते हुए कहा गया था कि 'इनका तलाक हो चुका है, कोई वारिस नहीं है ... इन्हें एक 'वफादार' ड्राइवर की जरूरत है, जिसका वेतन दो लाख रुपए प्रतिमाह होगा ... जिसे यह नौकरी चाहिए, वह अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक के शुरुआती पृष्ठों, स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई के दस्तावेजों की फोटो तुरंत भेज दे।' आश्चर्यजनक रूप से, बहुत लोग ये दस्तावेज भेज देते हैं! क्या वे जानते नहीं कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग किया जा सकता है? वे कथित नौकरी से संबंधित उस पोस्ट की भाषा और फोटो को ध्यान से देखें तो साफ पता चलता है कि यह एक 'जाल' है। अगर लोग जागरूक रहें, कोई संवेदनशील जानकारी साझा न करें तो साइबर ठगी से सुरक्षित रह सकते हैं। बिना सोच-विचार किए अपनी जानकारी खुद ही ठगों तक पहुंचा देंगे तो क्यों नहीं ठगे जाएंगे?

ट्वीटर टॉक

महाराष्ट्र और झारखंड राज्य में विधानसभा चुनाव हेतु द्वितीय और अंतिम चरण के मतदान हो रहे है। झारखंड और महाराष्ट्र के सभी मतदाताओं से अपील करती हूं कि आप सभी राज्यो के अनवरत विकास में अपना योगदान देने के लिए मतदान अवश्य करें।

-वसुंधरा राजे

झारखंड विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण और महाराष्ट्र में हो रहे मतदान के अवसर पर सभी मतदाताओं से निवेदन है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आपका एक वोट, सशक्त झारखंड तथा महाराष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

-दीया कुमारी

हमारी सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को राजस्थान में कर-मुक्त (टैक्स फ्री) करने का सार्थक निर्णय लिया है। यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल-खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संगीत साधना का जुनून

मात्र बारह वर्ष की उम्र में पं. रविशंकर अपने बड़े भाई उदय शंकर के नृत्य दल के साथ पेरिस में थे। एक दिन वे संगीत कार्यक्रम में पहुंचे, जहां महान सितारवादक उस्ताद इनायत खान साहब का कार्यक्रम था। जब उस्ताद साहब ने सितार बजाया, तो बाल रविशंकर मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के बाद वे सीधे उस्ताद साहब के पास गए और बोले, 'मैं आपसे सितार सीखना चाहता हूं।' उस्ताद ने पूछा, 'बेटा, क्या तुम जानते हो कि सितार सीखने का मतलब क्या है? यह कोई खेल नहीं है।' रविशंकर ने दृढ़ता से कहा, 'मैं समझता हूं उस्ताद जी। मैं पूरी लगन से सीखूंगा।' उस्ताद ने कहा, 'ठीक है। कल सुबह आ जाओ।' अगले दिन से रविशंकर का कठिन साधना का दौर शुरू हुआ। वे सुबह 4 बजे उठते, रियाज करते। दिन में नृत्य की प्रैक्टिस और रात को फिर सितार। कई बार उंगलियों से खून निकलता, लेकिन वे नहीं रुके। एक दिन उस्ताद ने कहा, 'रवि, तुम्हें तय करना होगा नृत्य या सितार। दोनों साथ नहीं चल सकते।' रविशंकर ने तत्काल निर्णय लिया। उन्होंने नृत्य छोड़ दिया और पूरी तरह सितार को समर्पित हो गए। सात वर्षों तक वे गुरु के साथ मेहनत करते रहे।

सामयिक

अकेले पड़ते बुजुर्गों की बढ़ती मुश्किलें

डॉ सत्यवान सौरभ

देश के वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बहुत से वरिष्ठ नागरिक गंभीर आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनकी कोई नियमित आय नहीं है, पेंशन या सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं तक उनकी पहुँच सुलभ नहीं है। बुज़ुर्गों की सामाजिक ज़रूरतें क्या हैं? ये ज़रूरतें सेहत के लिए ज़रूरी हैं, जिनमें परिवार और दोस्तों के साथ सम्बंध, सार्थक गतिविधियों में भागीदारी और स्वायत्तता और गरिमा का संरक्षण शामिल है। इन ज़रूरतों को सम्बोधित करना सिर्फ़ फ़ायदेमंद ही नहीं है; यह हमारी वृद्ध आबादी के स्वास्थ्य और ख़ुशी के लिए भी ज़रूरी है। वृद्धों की सामाजिक ज़रूरतों को पूरा करना एक नाज़ुक पौधे की देखभाल करने जैसा है। उन्हें खिलने के लिए सावधानीपूर्वक ध्यान, निरंतर देखभाल और पोषण देने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है। आखिरकार, सामाजिक ज़रूरतें सिर्फ़ मानवीय संपर्क की बुनियादी ज़रूरतों से कहीं ज़्यादा हैं। वे किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का आधार बनती हैं, जो शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता दोनों को प्रभावित करती हैं।

बुज़ुर्गों (60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति) की संख्या 2011 में 100 मिलियन से बढ़कर 2036 में 230 मिलियन हो जाएगी। 2050 तक, बुज़ुर्गों की आबादी कुल आबादी का लगभग पाँचवाँ हिस्सा होने की उम्मीद है। इससे भारत में बुज़ुर्गों की आबादी का कल्याण एक आसन्न आवश्यकता बन जाती है। बुज़ुर्गों की आर्थिक कमज़ोरी जैसे कि अनौपचारिक क्षेत्र के बड़े कार्यबल में पेंशन कवरेज का अभाव है। (भारत में 80% से अधिक कार्यबल अनौपचारिक हैं) स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत और सीमित बचत वित्तीय चुनौतियों को बढ़ाती है। प्रवास और बदलती संरचनाओं के कारण परिवार की सहायता प्रणाली कमज़ोर हो रही है। पेंशन कवरेज का विस्तार करें, किफायती स्वास्थ्य बीमा शुरू करें (आयुष्मान भारत योजना का विस्तार सभी बुज़ुर्गों के लिए एक अच्छा क़दम है), वरिष्ठ नागरिकों के लिए निवेश विकल्प बनाएँ और रिवर्स मॉर्गेज को बढ़ावा दें।

वरिष्ठ नागरिक समाज में अलगाव की स्थिति से भी त्रस्त हैं। उनमें सामाजिक संपर्कों की कमी के कारण अकेलापन बना रहता है। उनको अपनी संपत्ति की सुरक्षा और अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव की भी ज़रूरत होती है। वरिष्ठ नागरिकों, खासकर अकेले रहने वाले व्यक्तियों, के साथ उनकी संपत्ति से जुड़े और उनके साथ होने वाले अपराधों के समाचार आते रहते हैं। संयुक्त परिवारों और प्रवास में कमी के कारण कई बुज़ुर्ग अकेले रह जाते हैं, जिससे अवसाद और चिंता होती है। सांस्कृतिक बदलावों ने अंतर-पीढ़ीगत सम्बंधों को भी प्रभावित किया है। बुज़ुर्गों के प्रति पारंपरिक सम्मान और श्रद्धा, जो कभी भारतीय समाज की आधारशिला हुआ करती थी, अब सूक्ष्म बदलावों से गुज़र रही है। बुज़ुर्ग महिलाएँ, ख़ास तौर पर विधवाएँ, अक्सर सामाजिक अलगाव के ज़्यादा गंभीर रूपों का सामना करती हैं। प्रौद्योगिकी के साथ चुनौतियाँ डिजिटल विभाजन बुज़ुर्गों को और अलग-थलग कर देता है। सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम, वरिष्ठ क्लब, अंतर-पीढ़ी कार्यक्रम और स्वयंसेवा के अवसर हैं।

बुज़ुर्गों के कल्याण के लिए उपाय जैसे कि बुनियादी ढाँचा विकास, आयु-अनुकूल स्थान, सुलभ परिवहन और वृद्धावस्था स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिससे गतिशीलता, स्वतंत्रता और सामाजिक संपर्क में सुधार होगा। ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँचने के लिए बुज़ुर्गों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम। मानवीय संपर्क बनाए रखने के लिए टेलीमेडिसिन और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली। सरकार, गैर सरकारी संगठनों (एजवेल फ़ाउंडेशन), निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग ज़रूरी है। धार्मिक संस्थाएँ सामाजिक और आध्यात्मिक सहायता प्रदान कर सकती हैं। अवसाद और चिंता से निपटने के लिए सुलभ परामर्श, सहायता समूह और गतिविधियाँ। पारिवारिक सहायता को मज़बूत करना और परामर्श और अंतर-पीढ़ी कार्यक्रमों के माध्यम से पारिवारिक बंधन को बढ़ावा देना। बहु-पीढ़ी के परिवारों के लिए प्रोत्साहन जैसे कि स्विटजरलैंड की टाइम बैंक पहल की नकल। इस पहल के तहत, युवा पीढ़ी वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करके 'समय' बचाना शुरू करती है। बाद में, वे बचाए गए 'समय' का उपयोग तब कर सकते हैं जब वे बूढ़े हो जाते हैं, बीमार हो जाते हैं या उन्हें किसी की ज़रूरत होती है जो उनकी देखभाल करे। इस पहल को भारतीय व्यवस्था में लागू किया जाना चाहिए। भारत को भविष्य में सेवानिवृत्ति की आयु को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी के अवसरों को जोखिम में न डाला जा सके। बुज़ुर्ग आबादी के लिए सरकारी योजनाएँ जैसे वृद्ध व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2011, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, वरिष्ठ देखभाल एजिंग ग्रोथ इंजन पहल और पोर्टल इसे सुचारू और मज़बूत बनाएंगे। बुज़ुर्ग भारत अपने बुज़ुर्गों के लिए एक देखभाल करने वाला भारत भी हो सकता है। दोनों पहलुओं (वित्तीय और साथ ही सामाजिक कमजोरियों) को सम्बोधित करने वाली समावेशी, सुलभ और व्यापक कल्याण योजनाएँ बनाकर, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी बुज़ुर्ग आबादी सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक जुड़ाव के साथ आगे बढ़े। वृद्धों की सामाजिक ज़रूरतों को सम्बोधित करना उनके समग्र कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है। चाहे वह सार्थक सम्बंधों को बढ़ावा देना हो, नियमित सामाजिक संपर्कों को प्रोत्साहित करना हो, स्वतंत्रता को बढ़ावा देना हो, या पेशेवर सहायता और सेवाएँ प्रदान करना हो, प्रत्येक तत्व सफल बुढ़ापे को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जबकि सामाजिक अलगाव और सामाजिक भागीदारी में बाधाओं जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, उन्हें व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक और पेशेवर सहायता से दूर किया जा सकता है। जैसा कि हम अपनी वृद्ध आबादी की सेवा करना जारी रखते हैं, आइए याद रखें कि उनकी सामाजिक ज़रूरतें उनकी शारीरिक ज़रूरतों जितनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। आखिरकार, एक अच्छी तरह से जीया गया जीवन एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ जीवन है।

ज्ञान विज्ञान

क्या सचमुच पृथ्वी पर आते रहते हैं एलियन?

क्या सचमुच पृथ्वी के अलावा कहीं जीवन है? क्या सच में एलियन होते हैं? क्या दुनिया के किसी हिस्से में वाकई 'जादू' किसी सिग्नल का इंतज़ार कर रहा है? क्या कभी-कभी आसमान में दिखने वाली संदिग्ध गतिविधि णत्रऋज हैं? इस तरह के अनगिनत सवाल बीते कुछ सालों से आम इंसानों के मन में तैर रहे हैं। लेकिन इन सवालों के वाजिब जवाब अब तक नहीं मिल पाए हैं। इंसान अंतरिक्ष में जाकर वहां महीनों का वक्त गुजार देता है, चांद पर कदम रख चुका है और तो और दूसरे ग्रहों तक पहुंचने की कोशिश में भी जुटा है, लेकिन एलियन और णत्रऋज से जुड़ी पहेली कोई नहीं सुलझा पाया। हाल ही में आई पेंटागन की नई रिपोर्ट ने इस गुत्थी को सुलझाने की बजाए और उलझा दिया है, हालांकि इस रिपोर्ट में णत्रऋज और एलियन को लेकर काफी अहम जानकारी दी गई है। 'अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट' यानी कोई ऐसी उड़ने वाली वस्तु जिसकी पहचान तय नहीं है। यह कहां से आया और कहां गया इसके बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं होती। अचानक आसमान में एक उड़ती हुई वस्तु नजर आती है, जिसे लोग णत्रऋज कहते हैं लेकिन वह वस्तु असल में क्या है यह किसी को मालूम नहीं होता। हालांकि इस पर गांव की गलियों से लेकर टीवी चैनलों तक पर खूब बहस और चर्चा होती रही है। कई बार तो इसे जासूसी गतिविधियों से भी जोड़ा गया है।

पेंटागन की नई रिपोर्ट में यूएफओ की सैकड़ों घटनाओं का जिक्र है, लेकिन किसी भी तरह से कोई संकेत नहीं मिला है कि वे किसी दूसरे ग्रह से आए हैं। णत्रऋज की घटनाओं की जांच और समीक्षा में गलत पहचान वाले गुब्बारे, पक्षी और उपग्रहों के सैकड़ों मामले शामिल हैं, साथ ही कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनकी व्याख्या करना आसान नहीं है, जैसे कि न्यूयॉर्क के कोस्ट पर एक कमर्शियल एयरलाइनर और एक रहस्यमय वस्तु के बीच हुई नज़दीकी टक्कर। अज्ञात हवाई घटनाओं यानी ण-झी को ट्रैक करने के लिए 2022 में बनाए गए पेंटागन कार्यालय के अधिकारियों ने कहा है कि उनकी जांच में देखे गए किसी भी मामले का दूसरी दुनिया या बाहरी ग्रहों से होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। पेंटागन की समीक्षा में दुनिया भर के 757 मामलों को शामिल किया गया था, जो 1 मई 2023 से 1 जून 2024 तक अमेरिकी अधिकारियों को रिपोर्ट किए गए थे। इसमें 272 घटनाएं ऐसी भी शामिल हैं जो इस समय अंतराल से पहले हुई थीं, लेकिन पहले रिपोर्ट नहीं की गई थीं। रिपोर्ट की गई घटनाओं में से अधिकांश हवाई क्षेत्र में हुईं। इसमें 49 घटनाएं कम से कम 100 किलोमीटर (62 मील) की ऊंचाई पर हुईं, जिसे अंतरिक्ष माना जाता है। इसमें से कोई भी घटना पानी के नीचे नहीं हुई। जांच अधिकारियों को करीब 300 घटनाओं के लिए सफाई मिल चुकी है। कई मामलों में इन अज्ञात वस्तुओं की पहचान बाद में गुब्बारे, पक्षी, विमान, ड्रोन या सैटेलाइट के तौर पर हुई। हालांकि इसमें सैकड़ों मामलों में अब भी यह पता नहीं चल पाया है कि वह उड़ती हुई चीज आखिर क्या थी? इसे लेकर रिपोर्ट के लेखकों का कहना है कि ऐसा अक्सर इसलिए होता है क्योंकि ठोस नतीजा निकालने के लिए उनके पास पर्याप्त जानकारी नहीं होती है। हालांकि इस रिपोर्ट से एलियंस के अस्तित्व पर किसी भी बहस को सुलझाने की संभावना नहीं है, लेकिन रिपोर्ट इस विषय में लोगों की बढ़ती दिलचस्पी और कुछ जवाब देने के अमेरिकी सरकार की कोशिशों को दिखाती है। हालांकि इसकी स्टडी प्रमुख तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा या हवाई सुरक्षा के लिए संभावित खतरों पर केंद्रित रही है, न कि वैज्ञानिक पहलुओं पर। यही वजह है कि णत्रऋज और एलियंस को लेकर मौजूद सवालों के वैज्ञानिक जवाब नहीं मिल पाए हैं।

नजरिया

सत्ता की बंदरबांट के बीच मुफ्तखोरी के ऐलान

गिरीश्वर मिश्र

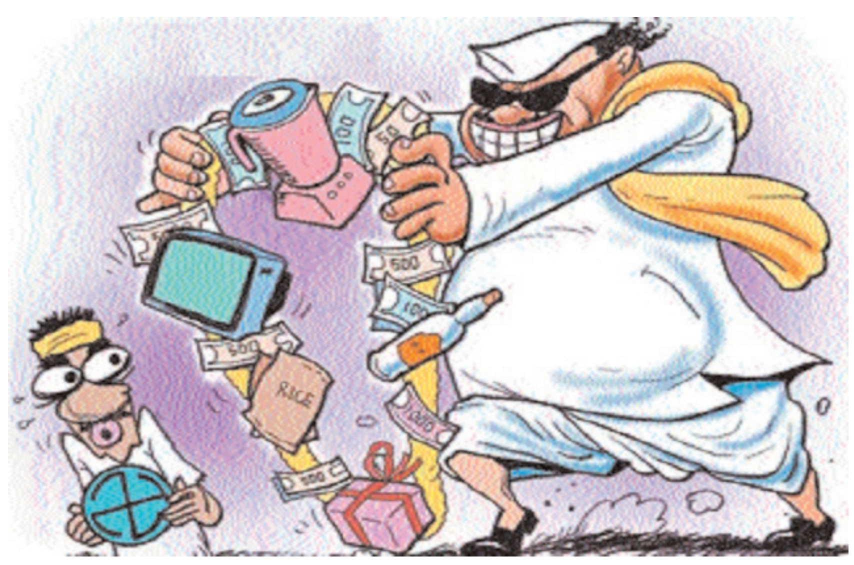

विधानसभा या लोकसभा के चुनाव राजनैतिक दलों के आंतरिक स्वभाव को उभार कर सामने लाने में बड़े मददगार होते हैं। दल कोई भी हो सत्ता हासिल करना और सत्तासीन होकर उस पर कब्जा बनाए रखना ही उनका परम धर्म हो चुका है। सत्ता के लिए आर्त पुकार जनता तक पहुँचाने की राजनीति जटिल और बहु आयामी होती जा रही है। चुनावी मौसम आते ही राजनीतिक गहमागहमी तेज हो जाती है। नेताओं की अंतरात्मा जाग उठती है और सत्ता-यात्रा में आने वाले सारे बंधनों और अवरोधों को पार करने को छटपटाने लगती है। सत्ता के लिए वे किसी से कोई भी समझौता करने को व्यग्र दिखते हैं। वे अपना दल छोड़ कर दूसरे धुर विरोधी दल में प्रवेश लेने से नहीं कतराते। आज लगभग सभी दल इस तरह की उठापटक को जायज और स्वाभाविक ठहराते हैं, आख़िर युद्ध में सब कुछ उचित जो ठहरा।

चूँकि यह प्रवृत्ति किसी एक दल की न होकर सभी दलों की होती जा रही है, राजनैतिक हलकों में इसे सामान्य रणनीति का हिस्सा मान लिया जाता है। अब वैचारिक रुझान या किसी आदर्श या मूल्य से जुड़े आधार से ज़्यादातर दल अपना कोई रिश्ता नहीं रखते। सभी दलों के स्वर और रीति-नीति में बहुत अंतर नहीं दिखता। कभी राजा जी, मालवीय जी, जयप्रकाश नारायण, आचार्य जेबी कृपालानी और डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे अनेक राजनेता वैचारिक और नीतिगत असहमति और जन-कल्याण के प्रश्नों पर टकराहट से अपनी मूल पार्टी से अलग हुए थे। अपनी दृष्टि के प्रति उनकी आस्था के पीछे कोई सीमित स्वार्थ नहीं था और वे उसके प्रति स्वाभाविक रूप से जुड़े थे। शायद वे उस जमाने के थे जब नि:स्वार्थ भाव से देश की सेवा और समाज के हित की दृष्टि से प्रेरित हो कर लोग राजनीति की ओर आते थे। इस सिलसिले में बहुतों ने पाने की जगह कुछ खोया गँवाया। राजनीति की दिशा में उनका कदम किसी निजी, पारिवारिक या समुदाय के दबाव से या दबदबा बनाए रखने के लिए नहीं बल्कि अपनी पसंद से उठाया गया कदम होता था। उनकी नज़र समाज की कमियों और कमज़ोरियों का सामना करने पर रहती थी। ऐसे नेताओं की अच्छी संख्या होती थी जो अपने बलिदान और त्याग के लिए तैयार रहते थे। समाज की सेवा करने को उन्होंने चुना था।

राजनैतिक दलों की अपनी-अपनी वैचारिक पसंद नापसन्द तो होती थी और होनी भी चाहिए पर सबकुछ के बावजूद उन नेताओं के पास देश का एक नक़्शा होता था और बिना किसी संदेह के देशहित ही उनका सबसे महत्वपूर्ण सरोकार होता था। जमीन से उठ कर आने वाले ऐसे प्रामाणिक नेतृत्व की साख उनके द्वारा अर्जित होती थी। वे किसी हाईकमान की कृपा का मुंहताज नहीं होती थी। आज की तरह अपने लिए धनसंग्रह करते रहना उनका उद्देश्य नहीं होता था। उनमें देश-निर्माण का स्वाभाविक जज़्बा और उत्साह होता था जो उनके कार्यों में भी झलकता था। अब स्वतंत्र होने के पचहत्तर साल बीतने के बाद राजनैतिक परिवेश में जोड़-तोड़ की जो प्रवृत्तियाँ उभर कर सामने आ रही हैं वे राजनीति के तेजी से बदलते स्वभाव का संकेत दे रही हैं। हर चुनाव की सुगबगाहट के साथ राजनैतिक दलों द्वारा रेवड़ी बाँटने की नई प्रतिस्पर्धा शुरू हो जाती है। वादों और घोषणाओं की झड़ी लग जा रही है। इसमें क्या कुछ नहीं शामिल होता है: नौकरी, बिजली, घर, सम्मान निधि, गैस सिलेंडर, कर्जमाफ़ी, सस्ता-कर्ज़, मुफ़्त वाई-फ़ाई, गरीब को वजीफ़े, आरक्षण की सुविधा यानी जो भी मन करे नेता लोग सब कुछ मतदाता को देने की घोषणा करते नहीं अघा रहे है। अब ज़मींदारों के तर्ज़ पर नेताजी मनमर्ज़ी से कोई भी एलान कर सकते हैं। मुफ़्त की सुविधायें देने के पीछे कोई आर्थिक-सामाजिक नीतिगत आधार नहीं होता है। जाति, उपजाति, क्षेत्र और धर्म जैसे आधार में बांध कर चुनाव की तैयारी कस्टमाइज्ड प्रलोभन देने की मुहिम चल रही है। इस तरह की प्रक्रिया का कोई ओर-छोर नहीं दिखाई पड़ता है। सुविधा और धन बाँट-बाँट कर जनता से वोट बटोरने की रीति-राजनीति में जन-भागीदारी को दूषित कर रही है। आज एमएलए और एमपी के चुनाव में करोड़ों के खर्च होते हैं। इसलिए प्रत्याशी भी करोड़पति होते हैं। ऊपर से संदिग्ध अपराधी भी शामिल होते हैं। अब धनबल और बाहुबल के बिना राजनीति की कल्पना कठिन हो रही है। तुष्टिकरण के सहारे राजनीति लम्बी पारी नहीं खेल सकेगी। उल्टे यह देश की जड़ों को खोखला करने वाली युक्ति है। निर्वाचन आयोग, सरकार और राजनैतिक दलों को इसे नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम उठाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। (हि.स.)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रहमान के पत्नी से अलग होने की घोषणा के बाद बच्चों ने निजता के सम्मान की अपील की

मुंबई/भाषा

ऑस्कर पुरस्कार विजेता संगीतकार ए आर रहमान और उनकी पत्नी सायरा बानो के तीनों बच्चों ने अपने माता-पिता की शादी के 29 साल बाद अलग होने की घोषणा के मद्देनजर लोगों से उनकी निजता के सम्मान का अनुरोध किया है। रहमान और बानो की शादी 1995 में हुई थी। वकील वंदना शाह द्वारा मंगलवार रात जारी एक संयुक्त बयान में दोनों के रिश्ता तोड़ने की खबर दी गई।

रहमान की बेटियों खतीजा, रहीमा और बेटे आमीन ने रात को माता-पिता के अलगाव की खबर आने के बाद इंस्टाग्राम स्टोरीज पर संदेश डाले। आमीन ने लिखा, हम सभी से अनुरोध करते हैं कि ऐसे समय में हमारी निजता का सम्मान करें।

खतीजा और रहीमा ने लिखा, यदि इस मामले को अत्यंत निजता और सम्मान के साथ देखा जाता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार रहूंगी।

रहीमा ने 'एक्स' पर अपने पिता की पोस्ट को फिर से साझा करते हुए लिखा, हमें अपनी दुआओं में याद रखिए।

रहमान और बानो ने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने अपने रिश्ते में भावनात्मक तनाव के बाद अलग होने का फैसला किया है।

वंदना शाह द्वारा मीडिया को जारी एक बयान के अनुसार, शादी के कई साल बाद सायरा और उनके पति ए आर रहमान ने एक दूसरे से अलग होने का कठिन फैसला लिया है। यह फैसला उनके रिश्ते में काफी भावनात्मक तनाव के बाद लिया गया है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में रहमान ने कहा, हमें उम्मीद थी कि हम तीस साल पूरे कर लेंगे। ऐसा लगता है कि अंजाम का पता नहीं होता लेकिन चीजें होती रहती हैं। टूटे हुए दिलों के वजन से अल्लाह का सिंहासन भी हिल सकता है। फिर भी, इस बिखराव में, हम अर्थ तलाशते हैं, भले ही हमें फिर से अपनी जगह न मिले। हमारे दोस्तों, इस नाजुक दौर से गुजरते समय हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद।

मतदान

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि और बेटी सारा तेंदुलकर के साथ बुधवार को मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपना वोट डालने के बाद स्याही लगी उंगली दिखाते हुए।

क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन भारत में वैध या अवैध ?

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की नेता सुप्रिया सुले पर चुनाव प्रचार के लिए '' अवैध बिटकॉइन गतिविधियों '' में शामिल होने के आरोप लगने के बाद बिटकॉइन तथा क्रिप्टोकरेंसी फिर से चर्चा में हैं।

क्रिप्टोकरेंसी और बिटकॉइन को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर ये क्या हैं और इनके इस्तेमाल को लेकर कानून का क्या कहता है।

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल (आभासी) मुद्रा है जो क्रिप्टोग्राफी (कोड) द्वारा सुरक्षित है। इनका फर्जी व दो बार इस्तेमाल करना लगभग असंभव है। वे ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर विकेंद्रीकृत नेटवर्क पर मौजूद हैं। ब्लॉकचेन एक ऐसी प्रौद्योगिकी है जिससे बिटकॉइन जैसी मुद्रा का संचालन होता है।

वहीं बिटकॉइन सबसे अधिक प्रचलित क्रिप्टोकरेंसी का नाम है, जिसके लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी बनाई गई थी। क्रिप्टोकरेंसी का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है। इसकी आपूर्ति प्रोटोकॉल द्वारा निर्धारित होती है, केंद्रीय बैंक द्वारा नहीं।

इनके कानूनी पहलू की बात करें तो भारत क्रिप्टोकरेंसी के लिए एक रूपरेखा तैयार कर रहा है। हालांकि, इसके लागू होने तक इसे अवैध नहीं कहा जा सकता। सरकार ने 2022 में क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले लाभ पर 30 प्रतिशत की दर से कर लगाने की घोषणा की थी। हालांकि, क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर कर लगाने के बावजूद क्रिप्टोकरेंसी को अनिवार्य व स्पष्ट रूप से वैध नहीं माना जा सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी निजी क्रिप्टो परिसंपत्तियों के उपयोग को लेकर संशय में है और इसे देश की व्यापक आर्थिक व वित्तीय स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा मानता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बार-बार कहा है कि निजी संस्थाओं द्वारा जारी क्रिप्टोकरेंसी ''मुद्रा'' नहीं हो सकती। भारतीय रिजर्व बैंक के डिजिटल मुद्रा जारी करने पर ही वह मुद्रा होगी। सीतारमण ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी प्रभावी विनियमन या प्रतिबंध के लिए ''अंतरराष्ट्रीय सहयोग'' की आवश्यकता होगी। इससे पहले, भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा था जिसे न्यायालय के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था। आरबीआई क्रिप्टोकरेंसी को वित्तीय स्थिरता तथा मौद्रिक स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम मानता है।

गौरतलब है कि चार मार्च, 2021 को उच्चतम न्यायालय ने आरबीआई के छह अप्रैल 2018 के परिपत्र को रद्द कर दिया था, जिसमें बैंकों और उसके द्वारा विनियमित संस्थाओं को आभासी मुद्राओं के संबंध में सेवाएं प्रदान करने से रोक दिया गया था।

प्रदर्शन

कोलकाता में बुधवार को स्थायी नौकरी के लिए पुलिस भर्ती परीक्षा की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते अभ्यर्थी।

राजनाथ सिंह ने लाओस में चीनी समकक्ष के साथ वार्ता की

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अपने चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ विएंतियाने में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब कुछ सप्ताह पहले ही भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो स्थानों से सैनिकों को पीछे हटा लिया था।

यह बैठक लाओस की राजधानी में 10 देशों के आसियान समूह और इसके कुछ संवाद साझेदारों के सम्मेलन से इतर हुई।

सिंह के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लाओ पीडीआर के विएंतियाने में चीनी रक्षा मंत्री दोंग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक कर रहे हैं। भारतीय और चीनी सेनाओं ने पिछले महीने के अंत में डेमचोक और देपसांग में वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए कई वार्ताओं के बाद समझौता हुआ था।

दोनों पक्षों ने लगभग साढ़े चार वर्ष के अंतराल के बाद दोनों क्षेत्रों में गश्त भी शुरू कर दी। सिंह की विएंतियाने की तीन दिवसीय यात्रा बुधवार से शुरू हुई जिसका मुख्य उद्देश्य आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) में भाग लेना है। एडीएमएम-प्लस एक मंच है जिसमें 10 देशों का आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) और इसके आठ संवाद साझेदार – भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

अगर आशीर्वाद का कोई चेहरा होता तो मुझे लगता है रागिनी होती : बादशाह

मुंबई/एजेन्सी

सिंगिंग रियलिटी शो, 'इंडियन आइडल 15' के जज बादशाह ने प्रतियोगी रागिनी की तारीफ करते हुये कहा है कि अगर आशीर्वाद का कोई चेहरा होता तो मुझे लगता है वह रागिनी होती। पिछले वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो, 'इंडियन आइडल 15' के जज बादशाह और फैंस उस समय दंग रह गए जब औरंगाबाद की 15 वर्षीय रागिनी शिंदे को थिएटर राउंड में रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। कई लोग इस घटनाक्रम से बेहद हैरान रह गए थे क्योंकि रागिनी का इंडियन आइडल तक का सफ़र हर तरह से वीरता भरा था। तीन साल की उम्र में, उन्होंने जीवन रक्षक बोन मैरो ट्रांसप्लांट से अपने भाई को थैलेसीमिया की चपेट से बचाया था, और खुद को एक योद्धा साबित किया था। उनका ऑडिशन हर तरह से अनूठा था; उन्होंने आशा भोसले का प्रतिष्ठित ट्रैक 'निगाहें मिलाने को जी चाहता है' गाया था, उनकी सुंदर आवाज़ और गाने के निडर चुनाव ने जजों को हैरान कर दिया था, जिसके बाद बादशाह ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, अगर आशीर्वाद का कोई चेहरा होता तो मुझे लगता है रागिनी होती।

हैरान करने वाले एक घटनाक्रम में, रागिनी को इंडियन आइडल में 16वें प्रतियोगी के रूप में एन्ट्री दी गई, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि वह किसी की जगह नहीं लेंगी और उन्हें खिताब जीतने का अच्छा मौका भी मिला। अपने कमबैक परफ़ॉर्मेंस के लिए, रागिनी ने उषा मंगेशकर के गानों, 'तुमको पिया दिल दिया' और 'मैं चली' पर शानदार प्रस्तुति दी। शो में उनकी वापसी को खास मेहमान उषा मंगेशकर की मौजूदगी ने और भी खास बना दिया, जिन्होंने रागिनी के साहस और उनकी अविश्वसनीय प्रतिभा की तारीफ की, और रागिनी की आवाज़ की तुलना आशा भोंसले से की।

बादशाह और फैंस के प्रति विनम्रतापूर्वक अपना आभार व्यक्त करते हुए, रागिनी ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं और मैं अपनी खुशी जितनी भी व्यक्त करूं वह कम है। मैं वाकई बादशाह सर और अपने फैंस की आभारी हूं, जिन्होंने लगातार मेरा समर्थन किया और मेरी प्रतिभा पर भरोसा दिखाया। टॉप 16 में आना बड़ी ज़िम्मेदारी की बात है और मैं इस सफर में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं।

'2024 में तीन ब्लॉकबस्टर गानों का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली मानती हूं' : शर्वरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी का कहना है कि वह '2024 में तीन ब्लॉकबस्टर गानों का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली मानती है। बॉलीवुड की उभरती स्टार शर्वरी ने 2024 में सफलता का नया आयाम छुआ है! उनकी 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मुंजा' और ग्लोबल स्ट्रीमिंग हिट 'महाराज' ने तो सफलता के झंडे गाड़े ही हैं, साथ ही उनके सुपरहिट गानों 'तरस' (मुंजा), 'हाँ के हाँ' (महाराज) और 'तैनू खबर नहीं' (मुंजा) ने यूट्यूब पर 400 मिलियन व्यूज का रिकॉर्ड पार कर लिया है। शर्वरी ने कहा, गाने किसी भी अभिनेता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि वे दर्शकों के दिल और दिमाग तक पहुंचने का सबसे अच्छा जरिया हैं। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि 2024 में मेरे तीन बड़े हिट गाने रहे और खास बात यह है कि सभी गाने अलग-अलग जॉनर के हैं। 'तरस' एक दमदार डांस नंबर है, 'हाँ के हाँ' में पुरानी दुनिया का रोमांटिक आकर्षण है और 'तैनू खबर नहीं' इस पीढ़ी का प्रेम गीत है। 2024 मेरे लिए शानदार साल रहा है। मेरी फिल्में और गाने, दोनों ही बड़ी सफल रही हैं। जो प्यार मुझे मेरे काम के लिए मिला है, वह बेहद अनमोल है। मैं आशा करती हूं कि भविष्य में भी मैं इस सिलसिले को जारी रख पाऊं। मैं दर्शकों का दिल से धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मुझे और मेरे काम को इतना पसंद किया। अब मेरी कोशिश उन्हें और भी ज्यादा गर्व महसूस कराने की है। शर्वरी अब यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की अगली बड़ी फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट भी हैं।

आई वांट टू टॉक बनाने का विचार जीवन के अनुभव से आया : शुजित सरकार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार शुजित सरकार का कहना है कि उन्हें फिल्म आई वांट टू टॉक बनाने का विचार जीवन के अनुभव से आया है। पीकू और अक्टूबर जैसी भावुक फिल्मों के लिए मशहूर निर्देशक शूजित सरकार एक नई फिल्म लेकर आए हैं, जिसका नाम आई वांट टू टॉक है। शुजित सरकार ने बताया कि इस फिल्म का विचार उनके अपने जीवन के अनुभवों और लोगों के आपसी रिश्तों और बातचीत को देखने से आया है। शूजित सरकार ने बताया कि उनकी पिछली फिल्में, जैसे पीकू, जो शुरुआत में कांस्टीपेशन (कब्ज) की कहानी लग रही थी, असल में उनके लिए बेहद निजी थीं। उन्होंने हुए बताया, जब मैंने पीकू लिखी थी, तो शुरू में कई लोगों को लगा कि यह बंगाली फिल्म होगी या फिर इसमें कब्ज जैसी चीजों का जिक्र था, इसलिए उन्हें आश्चर्य हुआ। लेकिन फिल्म देखने के बाद उनकी राय पूरी तरह बदल गई। मेरे लिए, यह एक बहुत ही निजी कहानी थी। फिल्म अक्टूबर के साथ भी ऐसा ही हुआ। ये सभी फ़िल्में बेहद निजी हैं और मेरे अपने अनुभवों और ऑब्जर्वेशन पर आधारित हैं।

शूजित सरकार ने कहा कि 'आई वांट टू टॉक' भी उनके अपने जीवन के अनुभवों से आई है, जिसमें बातचीत के महत्व पर ध्यान दिया गया है, या फिर इसकी कमी पर। उन्होंने कहा,मेरे कई दोस्तों ने मुझसे कहा, 'मैं अपने पिता से बात नहीं कर पाया, मैं अपनी मां से बात नहीं कर पाया। काश, मैं अपने दिल की सारी बातें कह पाता।

राम चरण अयप्पा की माला पहने पहुंचे कडप्पा दरगाह

मुंबई/एजेन्सी

अपने गहरे सम्मान और प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, वैश्विक सुपरस्टार रामचरण ने कडप्पा अमीन पीर दरगाह में 80वें राष्ट्रीय मुशायरा ग़ज़ल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, संगीत के उस्ताद ए. आर. रहमान के व्यक्तिगत अनुरोध को पूरा किया। अयप्पा स्वामी दीक्षा में होने के बावजूद, रामचरण ने ऐतिहासिक दरगाह पर प्रार्थना, चादर और फूल चढ़ाए, जिससे एकता और सद्भाव का संदेश फैला। पिछले साल, ए. आर. रहमान ने गेमचेंजर स्टार को कडप्पा दरगाह में वार्षिक मुशायरा ग़ज़ल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था और राम चरण ने अपना वादा निभाया। अपने विनम्र व्यवहार से लोगों का दिल जीत लिया। यह यात्रा आस्थाओं को जोड़ने और मूल्यों को बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो एक अखिल भारतीय स्टार के रूप में उनके खिताब को और भी सही साबित करती है।

रामचरण के प्रशंसक इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति की सराहना कर रहे हैं, क्योंकि यह उनके सिद्धांतों और विनम्रता का प्रमाण है, जो धार्मिक सीमाओं से परे जाकर सद्भाव का प्रदर्शन करते हैं। यह यात्रा उनकी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर उत्साह को और बढ़ा देती है, जो ए.आर. रहमान के साथ उनका पहला सहयोग है।

प्रशंसक इस मनोरंजक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें रहमान का सिग्नेचर म्यूजिक और राम चरण का बेजोड़ करिश्मा है। शंकर शानमुगम द्वारा निर्देशित, गेम चेंजर ने हाल ही में लखनऊ में अपना टीजर लॉन्च किया, जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। रामचरण की दोहरी भूमिकाएँ- एक शक्तिशाली नौकरशाह और एक उत्साही व्यक्ति-टीज़र में राजनीतिक साज़िश, ज़बरदस्त एक्शन और भावनात्मक गहराई को दिखाया गया है। फिल्म में कियारा आडवाणी, एसजे सूर्या, अंजलि और अन्य सहित कई बेहतरीन कलाकार हैं। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत दिल राजू और सिरीश द्वारा निर्मित, गेम चेंजर एस. थमन के शानदार संगीत और एस. थिरुनावुक्कारासु के शानदार दृश्यों के साथ एक सिनेमाई तमाशा पेश करने का वादा करता है। यह फिल्म 10 जनवरी 2025 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में दुनिया भर में भव्य रिलीज के लिए तैयार है।

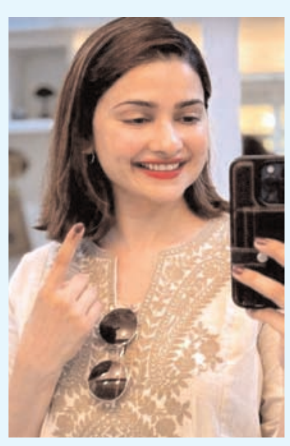
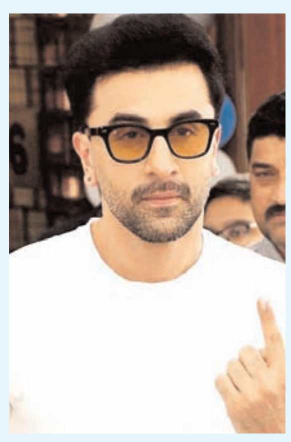
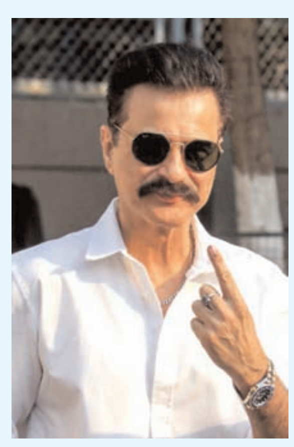
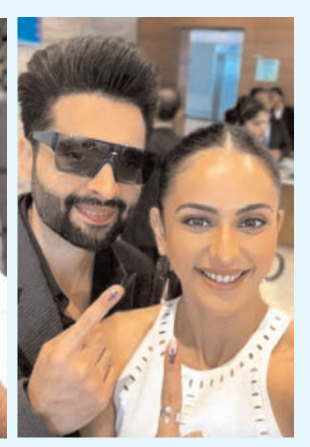

बॉलीवुड सितारों ने किया मतदान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सितारों ने आज महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया और लोगों से मतदान की अपील की। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी ईशा देओल के साथ वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पहुंचीं। हेमा मालिनी ने कहा कि मैं यहां अपना वोट डालने आई हूं। मैं सभी नागरिकों से बाहर आने और मतदान करने का अनुरोध करती हूं। देश के भविष्य के लिए मतदान करना आपका कर्तव्य है।ईशा देओल ने कहा कि मैं आज यहां स्पष्ट रूप से मतदान करने आई हूं और मुझे लगता है कि सभी के लिए बाहर निकलना महत्वपूर्ण है।

बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध गीतकार गुलजार और उनकी बेटी फिल्म निर्माता मेघना गुलजार ने भी वोट डाला। गुलजार ने कहा कि युवाओं को वोटिंग के लिए उत्साह के साथ आगे आना चाहिए क्योंकि भारत पर उनका हक है। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने मतदान करने के बाद कहा,सभी को आकर वोट करना चाहिए क्योंकि यही सबसे महत्वपूर्ण चीज है।'

रणबीर कपूर ने भी वोट डाला। रणबीर कपूर ने कहा, 'वोट देना आपकी जिम्मेदारी है। प्लीज आएं और वोट करें।राजकुमार राव ने लोगों से वोट डालने का आग्रह करते हुए कहा, 'यह बहुत महत्वपूर्ण है, मतदान करना जरूरी है। सभी लोग कृपया बाहर निकलें और मतदान करें। यह मतदान का दिन है, यह बहुत महत्वपूर्ण है।'

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने भी वोट डाला। उन्होंने कहा, 'मैं लोगों से वोट डालने की अपील करना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वोट डालना हर किसी की जिम्मेदारी है, इसे छुट्टी की तरह न लें ।'रोहित शेट्टी ने कहा, 'हमें वोट देना है और हम सभी को वोट देना चाहिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है'। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपना वोट डालने के बाद कहा, 'सब कुछ बहुत अच्छी तरह से व्यवस्थित है।स्वतंत्र देश में चुनाव से बड़ा कोई उत्सव नहीं है। यदि कोई आज वोट नहीं करता है, तो उन्हें अगले पांच साल तक कोई भी शिकायत करने का अधिकार नहीं है। क्योंकि प्रजातंत्र ने आपको अधिकार दिया है कि आप अपने पसंदीदा नेता को चुने. तो इसका हर नागरिक को उपयोग करना चाहिए। उर्मिला मातोंडकर ने भी अपना वोट डाला है। उन्होंने एक्स पर एक फोटो शेयर की, जिसमें उन्होंने अपना वोट मार्क दिखाया और दूसरों से भी ऐसा करने का आग्रह किया। उनकी पोस्ट में लिखा था, 'कृपया अपने लिए, अपने बच्चों के लिए अपने समाज के लिए और अपने महाराष्ट्र के लिए वोट करें।' बॉलीवुड कपल रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा वोट डाला। जेनेलिया डिसूजा ने कहा, 'हर किसी को अपना वोट डालने का अधिकार है। लोगों को बाहर आकर अपना वोट डालना चाहिए। आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है, आप बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं।'

कार्तिक आर्यन ने भी मुंबई में अपना वोट डाला। श्रद्धा कपूर अपनी फैमिली संग वोट डालने पहुंचीं। उनके साथ भाई सिद्धांत, मां शिवांगी और मासी पद्मिनी कोल्हापुरे नजर आए। सबने वोटिंग साइन दिखाते हुए फैमिली फोटो क्लिक कराई।अली फजल अपना वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पहुंचे। सलमान खान के माता-पिता, लेखक सलीम खान और उनकी पत्नी सलमा खान वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पहुंचे। अभिनेत्री शरवरी वाघ भी वोट डालने के लिए बाहर आईं। सुनील शेट्टी ने भी एक नागरिक के रूप में अपना कर्तव्य निभाया और अपना वोट डाला। वरिष्ठ अभिनेता और निर्देशक राकेश रोशन को मतदान केंद्र पर वोट देने के लिए पहुंचते हुए देखा गया। आज अपना जन्मदिन मना रहे अभिनेता तुषार कपूर ने चल रहे चुनाव में अपना वोट डाला। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने पति एवं निर्माता जैकी भगनानी के साथ महाराष्ट्र चुनाव के दौरान वोट डाला।

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे अपने पति गोल्डी बहल के साथ वोट डालने मतदान केंद्र पहुंचीं। अभिनेता गोविंदा ने भी महाराष्ट्र चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्रेम चोपड़ा भी वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर पहुंचे। रवीना टंडन अपनी बेटी राशा के साथ वोट डालने पहुंचीं। यह मतदान राशा के लिए खास था, क्योंकि उन्होंने पहली वोट डाला है।अर्जुन कपूर अपनी बहन अंशुला कपूर संग मतदान करने पहुंचे। पार्श्वगायिका श्रेया घोषाल ने अपने परिवार के साथ वोट डाला। फरहान अख्तर ने अपना वोट डाला। फिल्ममेकर सुभाष घई, अपनी पत्नी के साथ वोट डालने पहुंचे. उन्होंने वोट करने के बाद कैमरों के सामने पोज किया। माधुरी दीक्षित,जॉन अब्राहम, कैलाश खेर, जावेद अख्तर, सैफ अली खान, करीना कपूर, जोया अख्तर समेत कई सितारों ने मतदान किया।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थानी मित्र मंडल ने 'हेल्थ चेकअप' सेमिनार का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राजस्थानी मित्र मंडल, विजयनगर के तत्वावधान में नूरा सेंटर द्वारा मास्टर हेल्थ चेकअप सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मंगलाचरण द्वारा हुआ। संस्था के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने स्वागत करते हुए सभी को स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

सेमिनार के मुख्य वक्ता अभय कुमार ने नूरा हेल्थ चेकअप के बारे में जानकारी दी एवं एआई द्वारा आधुनिक तकनीक से पूरे शरीर की जांच के बारे में बताया। नूरा टीम से धारा सुतरिया और रत्नेश ने भी विचार व्यक्त किए।

सेमिनार में नूरा हेल्थ चेकअप टीम ने 20 प्रतिशत डिस्काउंट मित्र मंडल परिवार को दिया। उपस्थित सदस्य परिवार द्वारा कई प्रश्न पूछे गए, जिनके उत्तर टीम ने दिए। कार्यक्रम का संचालन राजेश चावत ने किया। कैलाश बोहरा ने आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष, मित्र मंडल के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य भी मौजूद थे।

'मीठे, सत्य और कल्याणकारी' वचनों से जीवन को बना सकते हैं आदर्श'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां गणेश बाग, शिवाजी नगर में विशेष प्रवचन माला के दौरान विनय मुनिजी खींचन ने कहा कि जीवों में व्यवहार भाषा से होते हैं। पशु-पक्षियों में भी कोई विशेष ज्ञानी पक्षी को छोड़कर व्यवहार भाषा ही बोलते हैं। उन्होंने कहा कि भाषा चार प्रकार की- सत्य भाषा, असत्य भाषा, मिश्र भाषा, व्यवहार भाषा होती है। मुनिजी ने कहा कि प्रज्ञापना सूत्र में बताया गया है कि असत्य भाषा से बचना चाहिए। इससे विश्वास टूट जाता है। मिश्र भाषा संशयकारी होने से, उससे बचना चाहिए। तीर्थंकर देव सत्य भाषा और व्यवहार भाषा का प्रयोग करते थे। जैन आगमों में सत्य भाषा को सत्य भगवान तुल्य माना गया है। भाषा एक शक्ति है। इसका विवेक से प्रयोग करने पर 'महाभारत' का कारण नहीं बनती है। भाषा बदलने से पहले इन्सान को अपने मन को बदलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मन का चिंतन सत्य है, कोमल है, दया और क्षमा से भरा है। लोग भाषा को सुधारने का प्रयास करते हैं। तीर्थंकर देवों ने पहले मन को सुधारने को समझाया है। मन सूक्ष्म होने से इसको पकड़ना साधारण काम नहीं है। मन को पकड़ने के लिए ऋषि-मुनियों ने हिमालय तक यात्रा की, वर्षों तक मन को समझने की कोशिश की। फिर भी मन का वश में होना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि मीठे वचन, सत्य वचन और कल्याणकारी वचन से अपने जीवन को आदर्श बना सकते हैं। सात्विक भोजन और सात्विक भाषा सभी के लिए मंगलकारी बनते हैं। ऐसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिससे परिवार, समाज और देश की शांति में वृद्धि हो। इस अवसर पर मैसूरु, बंगारपेट, कोलार, जयनगर, कुमारा पार्क, फेजर टाउन आदि से श्रद्धालु मौजूद थे। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिकाधिक लोगों से प्रवचन सुनने की अपील की।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित बारह व्रत दीक्षा कार्यशाला का आयोजन आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभाजी आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में तेयुप एचबीएसटी, हनुमंतनगर द्वारा किया गया।

गृहस्थों को धर्म का संदेश देते हुए बारह व्रती बनने की प्रेरणा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित बारह व्रत दीक्षा कार्यशाला का आयोजन आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभाजी आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में तेयुप एचबीएसटी, हनुमंतनगर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री द्वारा नवकार महामंत्र के मंगल मंत्रोच्चार से हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन सभा मंत्री हेमराज मांडोत द्वारा किया गया। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत करते हुए अपने व्यक्तव्य में सभी को बारह व्रती बनने की प्रेरणा दी।

साध्वी सिद्धप्रभा ने भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त गृहस्थों को जीवनयापन के लिए धर्म के बारे में बताते हुए बारह व्रती बनने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री ने आवश्यक हिंसा के अलावा संकल्पजा स्थूल हिंसा का कुछ अपवादों के साथ त्याग की प्रेरणा दी। इसके साथ साथ सम्यक दीक्षा एवं गुरुधारना के बारे में समझाया। श्रावक-श्राविका समाज की बारह व्रत को लेकर जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने 12 नियम एवं 14 नियमों की जानकारी दी।

सभा अध्यक्ष गौतम दक, महिला मंडल अध्यक्ष सरोज दुगड़ ने अपने वक्तव्य में बारह व्रती बनने की शुभकामनाएं दीं। इस कार्यशाला में 16 नए सदस्यों ने बारह व्रत की दीक्षा धारण की। इस अवसर पर महिला मंडल मंत्री मीनाक्षी देरासरिया, जैन समय से अशोक नागोरी, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, ललित बोहरा, प्रतीक पोरवाड़, महावीर देरासरिया सहित स्थानीय संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी एवं श्रावक-श्राविका मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता ने किया। महावीर कटारिया ने आभार ज्ञापित किया।

भारत ने महिलाओं के उत्थान के लिए जताई प्रतिबद्धता लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं: संरा रिपोर्ट

बैंकॉक/भाषा। महिला सशक्तीकरण विषय पर यहां आयोजित संयुक्त राष्ट्र मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के बजट में महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई गई है लेकिन इस दिशा में चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

रिपोर्ट में विश्लेषण किया गया है कि 30 वर्ष पहले बीजिंग में अपनाए गए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की तुलना में क्षेत्र के देशों की स्थिति क्या है। इसमें कहा गया कि भारत जैसे एशिया-प्रशांत देशों द्वारा लैंगिक रूप से समावेशी बजट को अपनाना महिलाओं और लड़कियों की चिह्नित आवश्यकताओं के वास्ते संसाधनों के कुशल आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए उनकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, लेकिन इसमें चुनौतियां भी हैं।

'लैंगिक समानता और सशक्तीकरण के लिए नए रास्ते तैयार करना: बीजिंग + 30 समीक्षा पर एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रिपोर्ट' में कहा गया, उदाहरण के लिए, भारत लैंगिक रूप से समावेशी बजट (जीआरबी) की सीमित प्रभावशीलता से जूझ रहा है, क्योंकि इसमें महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों को शामिल नहीं किया गया है तथा लिंग-आधारित आंकड़ों का अभाव है।

इसमें कहा गया, इसलिए, यह परामर्श दिया जाता है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय लैंगिक बजट वक्तव्य के डिजाइन और अमल में अंतर को दूर करने के लिए ठोस प्रयास करते रहें तथा क्षेत्रीय स्तर पर जीआरबी प्रयासों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित करें।

'बीजिंग+30' समीक्षा पर एशिया-प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन मंगलवार को यहां शुरू हुआ। इसमें लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण के समर्थन में प्रगति और प्राथमिकता वाली कार्रवाइयों पर चर्चा करने के लिए सरकारों, नागरिक समाज और युवा समूहों, निजी क्षेत्र और शिक्षा जगत के 1,200 से अधिक प्रतिनिधि एकत्रित हुए हैं।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) और 'यूएन-वुमन' द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन अगले वर्ष बीजिंग घोषणापत्र और कार्रवाई मंच की 30वीं वर्षगांठ से पहले बैंकॉक में आयोजित किया गया है। बीजिंग घोषणापत्र और कार्रवाई मंच को 1995 में दुनिया भर के देशों द्वारा लैंगिक समानता और महिलाओं एवं लड़कियों के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक मसौदा के रूप में अपनाया गया था। भारत सरकार ने सम्मेलन में कहा कि देश में लैंगिक रूप से संवेदनशील बजट में दशकीय आधार पर 218 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रदर्शन

इंफाल में बुधवार को कुकी उग्रवादियों द्वारा छह मैतेई नागरिकों की कथित हत्या के खिलाफ महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

खैबर पख्तूनख्वा में कम से कम 12 सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को संयुक्त जांच चौकी से टकरा दिया, जिससे 12 सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके बाद हुई मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया।

फौज की मीडिया शाखा अंतर सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) ने कहा कि आतंकवादियों ने मंगलवार देर रात बन्नू जिले के मालीखेल क्षेत्र में एक संयुक्त जांच चौकी पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने चौकी में घुसने के उनके प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया। आईएसपीआर ने कहा कि आत्मघाती विस्फोट के कारण दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आसपास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिसके कारण सुरक्षा बलों के 10 सैनिकों और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दो जवान सहित 12 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई।

मोदी ने भारतीय दर्शन को लोकप्रिय बनाने वाले जोनास मसेट्टी की सराहना की

रियो डी जेनेरियो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील में लोगों के बीच वेदांत और गीता को लोकप्रिय बनाने वाले जोनास मसेट्टी से मुलाकात की और उनके प्रयासों के लिए उनकी सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद ब्राजील से रवाना होने से पहले मसेट्टी से मुलाकात की। मसेट्टी को विश्वनाथ के नाम से भी जाना जाता है।

मोदी ने 'एक्स' पर फोटो के साथ पोस्ट किया, जोनास मसेट्टी और उनकी टीम से मुलाकात हुई। मैंने 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान वेदांत और गीता के प्रति उनके जुनून का जिक्र किया था। उनकी टीम ने संस्कृत में रामायण की झलकियां पेश कीं।

मोदी ने कहा, यह सराहनीय है कि भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया पर प्रभाव डाल रही है।

मसेट्टी ने मोदी से मुलाकात के दौरान सफेद धोती पहनी हुई थी और उनके माथे पर तिलक था। उनके साथ उनकी टीम के लोग भी मौजूद थे। इस दल ने संस्कृत में रामायण की एक छोटी सी झलक भी पेश की।

मोदी ने 29 नवंबर 2020 को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में मसेट्टी की सराहना की थी और इस बात पर प्रकाश डाला था कि किस तरह से वह भारत की संस्कृति को लोकप्रिय बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।।

मोदी ने तब 'मन की बात' के संबंध में 'एक्स' पर पोस्ट किया था, जोनास मसेट्टी ब्राजील में रहते हैं और वहां के लोगों के बीच वेदांत के साथ-साथ गीता को भी लोकप्रिय बना रहे हैं। वह हमारी संस्कृति और लोकाचार को लोकप्रिय बनाने के लिए तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं।

पोस्ट के अनुसार मसेट्टी मैकेनिकल इंजीनियर हैं और स्टॉक मार्केट से जुड़ी एक कंपनी में काम करते थे लेकिन बाद में उन्हें भारतीय संस्कृति विशेष रूप से वेदांत में रुचि पैदा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान इसे 'स्टॉक से आध्यात्मिकता तक की लंबी यात्रा' के रूप में वर्णित किया।

विश्व बाल दिवस पर दिव्यांग लड़की एक दिन के लिए यूनिसेफ बंगाल की सांकेतिक प्रमुख बनीं

कोलकाता/भाषा

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बुधवार को दक्षिण 24 परगना जिले के एक गांव की एक दिव्यांग लड़की को यूनिसेफ की पश्चिम बंगाल इकाई का सांकेतिक अध्यक्ष नामित किया गया।

विद्यानगर गांव की रहने वाली रिया सरदार ने अंतरराष्ट्रीय संस्था से निर्णय लेने की प्रक्रिया में बच्चों की राय को भी शामिल करने का आग्रह किया।

यहां जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक यूनिसेफ की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख मंजूर हुसैन से एक दिन के लिए अध्यक्ष पद संभालने के बाद सरदार ने निर्णय लिया कि संयुक्त राष्ट्र निकाय वर्ष में एक बार बच्चों से मुलाकात करेगा और उनके लिए विकास योजनाएं बनाते समय उनकी राय को शामिल किया जाएगा। सरदार ने इस निर्णय की जानकारी देने के लिए कोलकाता में यूनिसेफ के सभी अधिकारियों को एक ईमेल भेजा।

एक छोटे कारोबारी की बेटी सरदार ने बताया, शुरुआत में हमारे स्कूल के शौचालय में रैंप (दिव्यांगों के चढ़ने के लिए)नहीं था। लेकिन, स्कूल प्रशासन की पहल पर रैंप का निर्माण किया गया।

मेरे पिता के अनुरोध पर अब कक्षाएं भूतल पर लग रही हैं, क्योंकि मेरे जैसे बच्चों को इमारत की ऊपरी मंजिलों पर चढ़ने में दिक्कत होती थी। मेरे जैसे बच्चों को स्कूल और अन्य जगहों पर किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।यूनिसेफ के अधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे बतौर अध्यक्ष सरदार द्वारा लिए गए फैसलों को लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि 'भविष्य को सुनने' की उनकी पहल के तहत बच्चों के साथ एक वार्षिक बैठक आयोजित की जाएगी और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी को पर्याप्त रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

विज्ञप्ति के मुताबिक मुर्शिदाबाद जिले के बरहामपुर में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में चुआनपुर विद्यानिकेतन गर्ल्स हाई स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा सौमिकी चक्रवर्ती ने एक दिन के लिए सामुदायिक टीवी चैनल 'इमेजिनसीटीवी' के संपादक का पद संभाला और जिले के बच्चों से संबंधित मुद्दों पर हर महीने कम से कम एक समाचार बुलेटिन प्रसारित करने का निर्णय लिया।

अमेरिका ने रूस में यूक्रेन के मिसाइल दागने को लेकर अपनी सोच क्यों बदली?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैनबरा। यूक्रेन द्वारा 'आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम' (एटीएसीएमएस) बैलिस्टिक मिसाइलों के उपयोग पर अमेरिकी प्रतिबंध हटने से उसे इस वर्ष की शुरुआत में कब्जे में लिए गए रूसी क्षेत्र को वापस लेने की कोशिश कर रहे रूस के बलों को पीछे हटाने में मदद मिल सकती है। यह जनवरी में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के कामकाज संभालने से पहले यूक्रेन को मजबूत भी कर सकता है। हालांकि, यह यूक्रेन के लिए पश्चिम के समर्थन में 'बहुत कम, बहुत देरी से' का एक और मामला हो सकता है।

इस सप्ताह, अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन के लिए एटीएसीएमएस नाम वाली उन मिसाइलों के उपयोग पर से प्रतिबंध हटा दिया जिनकी आपूर्ति अमेरिका ने की थी।

एटीएसीएमएस की मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर है। इससे पहले, अमेरिका ने यूक्रेन से कहा था कि वह इनका उपयोग केवल यूक्रेनी क्षेत्र में रूसी बलों के खिलाफ करे। यह यूक्रेन के लिए बहुत बड़ी निराशा का कारण रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि वह रूस के अंदर उन ठिकानों के खिलाफ उनका उपयोग नहीं कर सकता जहां से यूक्रेनी शहरों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अक्टूबर में यूक्रेन पर रूस के हमलों में 183 नागरिक मारे गए और 903 अन्य घायल हो गए।

अमेरिका की नीति में बदलाव का सटीक विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार रूसी क्षेत्र पर हमला करने की अनुमति शुरुआत में केवल कुर्स्क क्षेत्र में जमा हो रही रूसी सेना पर हमला करने के लिए ही लागू होगी।

रूस अगस्त में एक साहसिक हमले में यूक्रेन द्वारा कब्जाए गए 500 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना चाहता है। पश्चिमी एजेंसियों का मानना है कि रूसी पक्ष में शामिल 50,000 सैनिकों में कई हजार उत्तर कोरियाई सैनिक शामिल हैं। उत्तर कोरिया की भागीदारी एटीएसीएमएस पर सीमाएं हटाने का मुख्य कारण हो सकती है। रूसी क्षेत्र में अपने पैर जमाए रखने की यूक्रेन की संभावनाओं को मजबूत करने के अलावा, यह कदम उत्तर कोरिया को और अधिक सैनिक भेजने से भी हतोत्साहित कर सकता है। उत्तर कोरिया के सैनिकों की रूस की ओर से मौजूदगी अमेरिका के इस निर्णय को उचित ठहराने वाली साबित हो सकती है और इससे यह चिंताएं भी दूर होती हैं कि रूस इसे तनाव बढ़ाने वाला कदम कहेगा। रूस और नाटो के बीच सीधे संघर्ष की संभावना अब तक अमेरिका की सतर्कता का एक प्रमुख कारण रही है।

इसे आंशिक रूप से रूस की परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की धमकी से बढ़ावा मिला है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सितंबर में इस बात पर जोर दिया था कि पश्चिमी हथियारों से रूस पर हमला करने देना नाटो की युद्ध में 'प्रत्यक्ष भागीदारी' माना जाएगा। रूस ने स्पष्ट रूप से बिना किसी आधार के दावा किया है कि ऐसे हथियारों को चलाने के लिए पश्चिमी देशों के कर्मियों की आवश्यकता होती है। रूस ने यह भी दावा किया है कि सटीक निशाना लगाने के लिए मिसाइलों को पश्चिमी खुफिया जानकारी की आवश्यकता हो सकती है।

क्रेमलिन ने इस सप्ताह अमेरिका की घोषणा पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि यह युद्ध की 'आग में घी डालने' का काम करेगा।

हालांकि एटीएसीएमएस का इस्तेमाल पहले से ही यूक्रेन के संप्रभु क्षेत्र के अंदर रूसी लक्ष्यों के खिलाफ किया जा चुका है। विशेष रूप से क्रीमिया में ऐसा किया गया है, जिसे मॉस्को ने एक दशक पहले अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया था। बाइडन प्रशासन के कुछ सूत्रों ने मीडिया को बताया है कि जवाबी कार्रवाई के डर ने भी एटीएसीएमएस से रूस पर हमला करने की अनुमति देने के बारे में उनके निर्णय को आकार दिया है। रूसी खुफिया सेवाओं ने पिछले एक साल के दौरान यूरोप में बड़े पैमाने पर विध्वंसक अभियान चलाया है।

एटीएसीएमएस के इस्तेमाल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ब्रिटेन और फ्रांस ने यूक्रेन के स्टॉर्म शैडो और स्कैल्प मिसाइलों के इस्तेमाल पर भी ऐसी ही पाबंदी लगा दी थीं, जिनकी मारक क्षमता 250 किलोमीटर है। ऐसा लगता है कि अमेरिका के इस कदम से अब ब्रिटेन और फ्रांस भी उन सीमाओं में ढील देने में इसी तरह का कदम उठाएंगे।

यूक्रेन के शस्त्रागार में जर्मनी से भी हथियार आ सकते हैं जहां ग्रीन्स, सोशल डेमोक्रेट्स और विपक्षी क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स यूक्रेन को टॉरस क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति को हरी झंडी देने का समर्थन करते हैं, जिनकी रेंज 500 किलोमीटर है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने अब तक इसे रोक रखा है। वाशिंगटन के अधिकारियों ने हाल में दावा किया है कि एटीएसीएमएस का अब सीमित उपयोग होगा क्योंकि रूस ने अपने अधिकांश प्रमुख हथियारों, विशेष रूप से जेट लड़ाकू विमानों को उनकी रेंज से बाहर पहुंचा दिया है।

भारत नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप, उनके नए प्रशासन के साथ काम करने को उत्सुक है: राजदूत हरीश

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके नए प्रशासन के साथ निकटता से काम करने के लिए उत्सुक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मंगलवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक संवाद सत्र के दौरान कहा, हम अमेरिकी नागरिकों की पसंद का सम्मान करते हैं। हम सभी सरकारों के साथ काम करते हैं। मुझे लगता है कि भारत के साथ संबंधों को लेकर दोनों दलों में सहमति है। हरीश हाल में संपन्न अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों पर भारत की प्रतिक्रिया से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, जिसमें ट्रंप विजयी हुए हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया और अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति चुने गए। हरीश ने कहा, जब राष्ट्रपति ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में यहां थे, उस वक्त भी भारत के साथ बहुत करीबी सहयोग और संबंध थे। हम ट्रंप और उनके नए प्रशासन के सत्ता में आने के बाद उनके साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

हरीश ने कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स (एसआईपीए) में आयोजित एक कार्यक्रम में 'प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का जवाब : भारत का तरीका' विषय पर मुख्य भाषण दिया। यह कार्यक्रम वैश्विक नेतृत्व में एमपीए कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं संयुक्त राष्ट्र अध्ययन कार्यक्रम (द्वारा सह-प्रायोजित था तथा इसमें छात्रों, शिक्षकों और नीति विशेषज्ञों ने भाग लिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com